रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 243] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 12, 2001/भाद्र 21, 1923
No. 243] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 12, 2001/BHADRA 21, 1923

दि इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2001

परिषद् की रिपोर्ट

फा. सं. 104/29/लेखा.—1. प्रस्तावना : इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया की परिषद् कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18 उपधारा (5) की अपेक्षाओं के अनुरूप 31 मार्च, 2001 को समाप्त इंस्टीट्यूट के कामकाज से संबंधित अपनी 21वीं वार्षिक रिपोर्ट और इसके साथ लेखापरीक्षित लेखा-विवरण एवं इन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करती है।

2. घटनाएं

2.1 कम्पनी (संशोधन) अधिनियम, 2000

कम्पनी (संशोधन) अधिनियम, 2000 के पारित होने से एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण और मूल्यवान घटना घटी है, जिससे कार्पोरेट शासन, निवेशक सरक्षण और शेयरहोल्डर लोकतत्र का एक नया युग शुरू हो गया है। सशोधन अधिनियम वर्तमान वैश्वीकरण प्रक्रिया के सदभ म उत्पन्न कार्पोरेट क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप हैं।

विशेष रूप से, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 383क की उपधारा (1) में शामिल किए गए परन्तुक ने कम्पनी सचिवों के लिए प्रेक्टिस के वास्ते मुख्य क्षेत्र के दरवाजे खोल दिए हैं। इसमे प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक वह कम्पनी, जो पूर्णकालिक कम्पनी सचिव नियुक्त नही करती है और जिनकी प्रदत्त शेयर पूंजी दस लाख रूपए या इससे अधिक है, उन्हे रजिस्ट्रार के पास पूर्णकालिक प्रेक्टिसरत सचिव से लेकर यह प्रमाण पत्र दाखिल करना होगा कि कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम के सभी प्रावधानो का अनुपालन किया है और इस प्रमाण पत्र की एक प्रति बोर्ड की रिपोर्ट के साथ सलग्न करनी होगी।

केन्द्र सरकार ने कम्पनी (अनुपालन प्रमाण पत्र) नियम 2001 की अधिसूचना जारी कर दी है जिसमें प्रमाण पत्र का फार्म; कम्पनियों के रजिस्ट्रार को प्रमाण पत्र दाखिल करने की समय-सीमा और कम्पनियों द्वारा अनुपालन की जाने वाली शर्तें दी गई हैं।

इस प्रमाण की अत्यधिक महत्ता को देखते हुए प्रथम अवसर पर ही इससे लाभ उठाने के विचार से मुख्यालय और क्षेत्रीय परिषदों तथा शाखाओं ने अनेक कार्यक्रमों को आयोजन किया, जिनमे कम्पनी (सशोधन) अधिनियम 2000 के विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा की गई और अनुपालन प्रमाण पत्र की विभिन्न जटिलताओं पर भी विचार विमर्श किया गया।

नव–प्रविष्ट प्रावधान से कम्पनी सचिवो के लिए प्रेक्टिस के बहुप्रतीक्षित प्रमुख क्षेत्र तो खुल गए है, परन्तु साथ ही उनके सामने एक कठिन जिम्मेदारी और चुनौती भी खडी हो गई है कि सरकार, ट्रेड और उद्योग ने उन पर जिस तरह की निष्ठा और विश्वास प्रदर्शित किया है, अब वे उस पर खरा उतर कर दिखाए।

इस प्रसंग मे और प्रेक्टिस के नए क्षेत्र में अत्यधिक सावधानी से अपना कार्य शुरू करन क लिए प्रेक्टिसरत सदस्यो को प्रबुद्ध बनाने की दृष्टि से इस्टीट्यूट ने अनुपालन प्रमाण पत्र के बारे में एक व्यापक गाइडेंस नोट प्रकाशित किया है। इसका विमोचन माननीय कन्द्रीय विधि, न्याय और कम्पनी कार्य तथा जहाजरानी मंत्री श्री अरूण जेतली ने किया। इस प्रकाशन म निर्धारित फार्म के 33 पैराग्राफो म से प्रत्येक के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए पूर्णकालिक प्रेक्टिसरत सचिव के लिए पेरामीटर निर्धारित किए गए हैं, और इसके अलावा अनुपालन प्रमाण पत्र नियमों के बारे मे मार्ग दर्शन दिया है तथा अनुपालन प्रमाण पत्र के नमूने का सुझाव दिया है।

2.2 नया पाठ्य विवरण

इंस्टीट्यूट ने अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए पाठ्य विवरण की पुनः रचना करने के लिए भारी प्रयास किए है ताकि इसे आज के व्यापार जगत के लिए उपयुक्त और सगत बनाया जा सके। कम्पनी कार्य विभाग ने अब इस नए पाठ्य विवरण का स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस प्रकार इस पाठ्यक्रम की विषय सूची सात वर्षों के बाद फिर से चुस्त–दुरूस्त किया गया है, जिसमे नीतिगत पुनश्चर्या और ज्ञान आधारित वातावरण में दिखाई पड़ रहीं वैश्विक घटनाओ की अपेक्षाओं का पर्याप्त ध्यान रखा गया है; इसके लिए सूचना तकनॉलॉजी और आधुनिक युग के व्यापार मे इनके प्रयोग, कार्पोरेट क्षेत्र के सामसामयिक मुद्दो, बौद्धिक सम्पदा, विश्व व्यापार सगठन और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आदि जैसे विषयो का समावेश किया गया है जिससे कम्पनी सचिवो की नई पीढी कार्पोरेट क्षेत्र, ट्रेड और उद्योग की सेवा के लिए पहले से कही अधिक विश्वास से तैयार हो सकेगी। नए पाठ्य विवरण से इंस्टीट्यूट व्यवसाय में एक ऐसा अत्यधिक सक्षम कैडर खड़ा किया जा सकेगा जो भावी चुनौतियों का मुकाबला करने मे समर्थ होगा।

2.3 सचिवीय मानक

सचिव मानक बोर्ड का कार्य उन क्षेत्रो का पता लगाना है जिनमें परिषद् द्वारा सचिवीय मानको को जारी करना आवश्यक है, यह बोर्ड इस प्रकार के मानक तैयार करे, इस प्रकार के मानको से उद्भूत मुद्दो को स्पष्ट करे और आई सी एस आई के सदस्यों, कार्पोरेटो तथा अन्य उपभोक्ताओं के लाभ के लिए गाइडेंस नोट जारी करे। प्रारम्भिक वर्षो में सचिवीय मानक सिफारिश के रूप मे होंगे।

एस एस बी ने 'सचिवीय मानको की प्रस्तावना' के लिए एक मसौदा तैयार किया, जिसमें एस एस बी के उद्देश्य, कार्यक्षेत्र और कार्य तथा सचिवीय मानकों को जारी करने के लिए प्रक्रिया एव इनके बारे में अनुपालन की उन अपेक्षाओ को दिया गया है, जो प्रस्तावित 'सचिवीय मानको की प्रस्तावना'का भाग होंगी। इसने प्रस्तावित 'निदेशक मण्डल की बैठको पर सचिवीय मानक' का मसौदा भी तैयार किया है। इस मानक मे प्रक्रियाओं का निर्धारण है जिनके बारे मे आशा की जाती है कि निदेशक मण्डल की बैठके बुलाने और संचालन मे इन प्रक्रियाओ का अनुपालन किया जाएगा। ये दोनों मानक 2001–2002 मे जारी किए जाने सम्भावना है।

2.4 कार्पोरेट शासन और कम्पनी सचिव

इस्टीट्यूट निरन्तर कार्पोरेट शासन के सिद्धातों और सहिता के विकास तथा आगे बढाने में कम्पनी सचिवों की महत्त्पूर्ण भूमिका के बारे मे पता लगाने में सलग्न है। इसके लिए इरटीट्यूट ने 20–21 नवम्बर 2000 को इडिया इंटरनेशनल, नई दिल्ली मे कम्पनी कार्य विभाग द्वारा कामनवेल्थ सेक्रेट्रियेट के आगतुक दल के साथ विचार विमर्श करने के लिए आयोजित कार्यशाला मे कार्पोरेट शासन मे कम्पनी सचिवो की भूमिका के बारे में अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति पेश की थी।

2.5 आई सी एस आई, आई सी ए आई और आई सी डब्ल्यू ए आई के बीच सहमति पत्र

भारत मे तीन प्रमुख व्यावसायिक निकायो – अर्थात् आई सी एस आई, आई सी ए आई और आई सी डब्ल्यू ए आई के बीच 20 अक्तूबर 2000 को तीनो इस्टीट्यूटों के अध्यक्षों ने एक ऐतिहासिक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

सहमति पत्र मे तीन इंस्टीट्यूटो के बीच सहयोगी सबध स्थापित करने का प्रयास किया है ताकि ये इस्टीट्यूट अपने अपने व्यवसायों की छवि को सुधारने मे मदद देने और अपनी सामूहिक सामर्थ्य बढाने के लिए कार्य कर सके। इन इंस्टीट्यूटो की सामूहिक समर्थताओ से व्यापार की और सामयिक आवश्यकताओ एवं आशाओं को पूरा करने के लिए बेहतर शासन के वास्ते सर्वोत्कृष्ट पद्धतियो को निरन्तर विकसित और प्रसारित करने में मदद मिलेगी।

2.6 व्यावसायिक विकास, अनवरत शिक्षा और भागीदारी प्रमाण पत्र कार्यक्रम

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों और इसी प्रकार की अन्य गतिविधियों के माध्यम से इंस्टीट्यूट अपने सदस्यों को अनवरत शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है ताकि कार्पोरेट और व्यापार मामलों से सबंधित हो रहे दूरगामी और बार बार हो रहे परिवर्तनो के परिप्रेक्ष्य में उनका ज्ञान अद्यतन बनाया जाए। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए समीक्षाधीन वर्ष मे दस व्यावसायिक, अनवरत शिक्षा और भागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए गए, इनके अलावा कम्पनी सचिवो का 28वा राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवो का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया गया। सचालित कार्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट 'क' मे दिया गया है।

2.7 28वां राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

28वा राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 8–9–10 सितम्बर, 2000 को कोलकाता मे "दूसरे चरण के सुधार और इसके बाद–एक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" विषय पर आयोजित किया गया।

सम्मेलन मे प्राप्त लेखो की दृष्टि से और सरकार मे नीति और निर्णयकर्ताओं, कार्पोरेट कम्पनियों, वित्तीय तथा बैंकिग सस्थानो, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमो अकादमिक और गैर–सरकारी सगठनो आदि विभिन्न वर्गों की भारी उपस्थिति दोनो रूपो मे यह सम्मेलन सर्वोकृष्ट रहा। इस उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया के फलस्वरूप दूसरे चरण और बाद के सुधार करने की प्रक्रिया के बारे मे विचारो और ज्ञान का अथाह भण्डार सग्रहीत हो सका। सम्मेलन के बाद कार्रवाई करने, विशेष रूप से उन लोगों के लिए, जो इस सम्मेलन में उपस्थित नही हो सके, उनके लाभ के लिए इंस्टीट्यूट ने 'सेकेण्ड जेनरेशन रिफार्म्स एंड बियोड–एन इटरनेशन पर्सपेक्टिव' नाम से एक पुस्तक का प्रकाशन किया, जिसमे सम्मेलन की कार्यवाही और प्रतिष्ठित वक्ताओ के भाषण, पायलट पेपर्स और विशेषज्ञों द्वारा इस विषय पर रखी प्रस्तुतियो को शामिल किया गया है। इस पुस्तक का विमोचन करते हुए भारत सरकार के माननीय विधि, न्याय और कम्पनी कार्य एव जहाजरानी मत्री, श्री अरूण जेटली ने बहुत ही आकर्षक रूप में कार्यवाही प्रकाशित करने पर इंस्टीट्यूट के प्रयासो की सराहना की।

2.8 पश्च सदस्यता अर्हता

31 मार्च 2001 को पश्च सदस्यता अर्हता (पीएमक्यू) पाठ्यक्रम के लिए इस्टीट्यूट के 354 सदस्य पजीकृत थे। सातवी परीक्षा जून 2000 मे और आठवीं परीक्षा दिसम्बर 2000 मे आयोजित की गई है।

2.9 कम्प्यूटरीकरण और सूचना तकनॉलॉजी

वर्ष 2000–2001 मे इस्टीट्यूट की वेब साइट के जरिए सेवाएं प्रदान करने पर जोर दिया गया। इस्टीट्यूट की उत्तरी क्षेत्रीय परिषद् म नटवर्क की सुविधा प्रदान की गई, जिसके लिए एक नया सर्वर सस्थापित गया।

हार्डवेयर सुविधाओ को उच्चश्रेणी का बनाया गया ताकि विभिन्न निदेशालयो की आपात्कालीन आवश्यकताए पूरी की जा सके। इस्टीट्यूट की ई–मेलिग प्रणाली को सुधारने के लिए और वेबसाइट अनुरक्षण के लिए अपेक्षतया कारगर मच तैयार करने के लिए एक नया विडोज–एनटी मेल सर्वर लगाया गया।

इस वर्ष साफ्टवेयर विकास और अनुरक्षण मे विशेष उपलब्धिया प्राप्त की गई, जिनमे साफ्टवेयर इन–हाउस इटरनेट और इटरनेट सबधी गतिविधियो को मजबूत करना भी शामिल है। इस्टीट्यूट के कर्मचारियो को बुनियादी और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण भी दिया गया।

3. परिषद

3.1 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

राष्ट्रव्यापी डाक हडताल के कारण परिषद और क्षेत्रीय परिषद के चुनावो के परिणामों मे घोषणा में देर हो जाने के कारण इस्टीट्यूट का नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनावा को आगे बढाने पर मजबूर होना पडा। परिषद की 123 वी बैठक 19 जनवरी 2001 को हुई जिसमे 19 जनवरी 2001 से एक वर्ष के लिए दक्षिणी क्षेत्र के डॉ0 पी वी एस. जगन मोहन राव को अध्यक्ष और पूर्वी क्षेत्र के श्री एस. गगोपाध्याय का उपाध्यक्ष चुना गया।

3.2 परिषद् की बैठकें

समिति की विभिन्न बैठको के अलावा परिषद ने इस वर्ष के दौरान 6 बैठके आयोजित कीं।

3.3 समितियों का गठन

परिषद द्वारा गठित विभिन्न स्थायी और अस्थायी समितियो, विशेषज्ञ ग्रुपो ओर परामर्शी बोर्डो का विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ख' मे दिया गया है।

4. क्षेत्रीय परिषदें और शाखायें

4.1 क्षेत्रीय परिषदें

चारो क्षेत्रीय परिषदो ने बडे उत्साह और जोश से अपनी गतिविधिया और कामकाज को चला कर परिषद को अपना समर्थन और सहायता देना जारी रखा। क्षेत्रीय परिषदो ने कैरियर मेले, फोन–इन कार्यक्रमो, सेमिनारो और कार्यशालाओ, एस. एम. टी कार्यक्रमो, मौखिक शिक्षण कक्षाओ, विद्यार्थी मार्गनिर्देशी बैठको, अध्ययन सर्किल कक्षाओ और क्षेत्रीय सम्मेलनो का आयोजन किया। ये परिषदे पुस्तकालयो को भी व्यापक रूप से अद्यतन रखने, समाचार–बुलेटिन प्रकाशित करने और आकडे रखते हुए रोजगार सेवाए प्रदान करने, सदस्यो/विद्यार्थियो को जानकारी देने, इस्टीट्यूट के प्रकाशनो की बिक्री करने का काम भी कर रही हैं। 31 मार्च 2001 को प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद की रिजर्व/ अधिशेष राशि तथा सदस्यो और विद्यार्थियो की संख्या नीचे दी गई है:

मद	पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद	उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद	दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद	पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद
31 3 2001 को सामान्य रिजर्व (रु0)	549765	4701027	752969	272405
वित्तीय स्थिति:				
अधिशेष (+) घाटा (–)2000–2001 रू0	(–) 186888	1101939	236059	472161
नियमित विद्यार्थियो की सख्या				
31–3–2001 को	20147	42565	28387	31925
31–03 2000 को	23395	50687	32019	35499
2000–2001 के दौरान वृद्धि / कमी का प्रतिशत	(–)13.88	(–)16.02	(–)11.34	(–)10.07
फाउंडेशन पाठ्यक्रम के विद्यार्थियो की संख्या				
31 मार्च 2001 को	4372	12782	5003	7560
31 मार्च 2000 को	5690	17751	6493	9179
2000–2001 के दौरान वृद्धि / कमी का प्रतिशत	(–) 23.16	(–) 27.99	(–) 22.95	(–) 17 64
सदस्यों की सख्या				
31 मार्च 2001 को	1548	3889	3484	4536
31 मार्च 2000 को	1490	3544	3321	4337
2000–2001 के दौरान वृद्धि / कमी का प्रतिशत	(+)3.89	(+)9.73	(+)4.91	(+)4 59

4.2 शाखायें

2000–2001 के दौरान इस्टीट्यूट की सभी 36 शाखाओ की प्रबध समितियो का पुनर्गठन कपनी सचिव विनियमावली, 1982 तथा सचिव शाखाओ की मार्ग–निर्देशिका 1983 के अनुसार किया गया। इस वर्ष के दौरान शाखाओ ने विद्यार्थियो को शिक्षण, मौखिक शिक्षण और प्रशिक्षण देने तथा सदस्यो के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित करने की अनेक गतिविधिया सपन्न की।

आज तक जिन शाखाओं के अपने कार्यस्थल है उनके नाम इस प्रकार हैं.– अहमदाबाद, बगलौर, भोपाल, कोचीन, डोम्बीवली, गाजियाबाद, गोआ, हैदराबाद, इन्दौर, जयपुर, कानपुर, मदुरई, मगलौर, पुणे और वडोदरा।

4.3 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार

वर्ष 1999 के सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार कोलकाता मे आयोजित 28 वे राष्ट्रीय सम्मेलन और पाचवे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र मे निम्नलिखित शाखाओ को दिये गये:

सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा पुररकार हैदराबाद

श्रेणी–क्रम में सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखायें

'ए' : अहमदाबाद और बगलौर (सयुक्त विजेता)

'बी' : जयपुर

'सी' : भुवनेश्वर

'डी' : मदुरई

'ई' : गुवाहाटी

4.4 सैटेलाइट शाखाएं

2000–2001 के अत मे निम्नलिखित स्थानो पर 19 सैटेलाइट शाखाए हैं।

उत्तर – आगरा, इलाहाबाद, बरेली, ब्यावर, भीलवाडा, देहरादून, गुडगाव, जम्मू, जोधपुर, मेरठ, वाराणसी, और यमुना नगर,

दक्षिण – हुबली–धारवाड़, कोट्टयम, सेलम, त्रिचुर, और विजयवाड़ा,

पश्चिम – नासिक और रायपुर

देहरादून, जम्मू और सेलम सेटेलाइट शाखाएं वर्ष 2000–2001 में स्थापित की गईं।

इस्टीट्यूट की सैटेलाइट शाखाओं में अध्ययन सामग्री, अनुसंधान प्रकाशन, चार्टर्ड सेक्रेटरी जर्नल, स्टूडेण्ट कम्पनी सेक्रेटरी बुलेटिन और सभी क्षेत्रीय परिषदों के न्यूज़ बुलेटिन तथा इंस्टीट्यूट के अन्य प्रकाशन उपलब्ध है।

4.5 कार्पोरेट अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र (सी सी आर टी)

4.5.1 ध्येय, परिकल्पना और रणनीति

आई सी एस आई – सी सी आर टी का समग्र रूप से ध्येय और उद्देश्य कार्पोरेट क्षेत्र को उत्कृष्ट बनाने के लिए पोषणीय आधार पर मुख्य रूप से उत्कृष्ट प्रकार के कार्पोरेट व्यावसायिकों का सृजन और विकास करना रहा है और इस प्रकार भारत को एक महानतम आर्थिक शक्ति के रूप में परिणत करने मे अपना योगदान देना है जिसके लिए केन्द्र ने इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित रणनीति/गतिविधिया की

- उच्च प्रशिक्षण के माध्यम से कम्पनी सचिवों, एक्जीक्युटिवों तथा अन्य व्यावसायिको की व्यावसायिक क्षमता तथा कैरियर सभावनाओं का विकास करना, नए/अनुसधान आधारित ज्ञान की पूर्ति, नवीनतम व्यावसायिक पद्धतियों, डिस्टेंस एजुकेशन, इंटरएक्टिव/सेल्फ लर्निंग के लिए इलेक्ट्रानिक कोचिग प्रदान करना।
- कार्पोरेट शासन/उत्कृष्टता के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य करना ताकि विश्व में स्वीकृत संभावनाओं, निर्देशों, मानकों और पद्धतियों का विकास पोषणीय कार्पोरेट संस्कृति तथा उत्कृष्टता के लिए किया जा सके।
- आधुनिक और उच्च कार्यप्रणाली के माध्यम से कार्पोरेट क्षेत्र की विभिन्न विधाओं में निवासीय और अनिवासीय दोनों प्रकार की संगोष्ठियो, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमो की रूपरेखा तैयार करना और सचालन करना।
- उच्च ज्ञान, नीति निर्माण आदि के लिए उपयुक्त नव ज्ञान सृजन और वृद्धि करने के लिए मूल तथा समसामयिक अनुप्रयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।
- अच्छे किस्म के अनुसंधान, उच्च ज्ञान और कार्पोरेट शासन आदि की सुविधा के लिए अनुसधानकर्ताओं, प्रशिक्षको, व्यावसायिकों, निदेशको और विशिष्ट सस्थानों की एक डायरेक्ट्री/डाटा बैंक तैयार करना ताकि सरकारी और गैर सरकारी कम्पनियो/निकायों दोनों मे कार्पोरेट उत्कृष्टता लाई जा सके।
- विदेशी सस्थानों से सहयोग करना, अनुसधान पत्र/साहित्य/परामर्शी पत्रो का प्रकाशन तथा व्यावसायिक परामर्श प्रदान करना एव कार्पोरेट डायग्नोस्टिक स्टडीज, फील्ड सर्वेक्षण तथा डाटा–बेस सेवाओ को हाथ मे लेना।

4.5.2 प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियां

पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् के साथ मिल कर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए:

1) सचिवीय अनुपालन प्रमाण पत्र
2) अनुपालन प्रमाण पत्र पर राष्ट्रीय कार्यशाला
3) कम्पनी सचिवों की प्रशिक्षण आवश्यकताओ के बारे में ज्ञान–वर्धक बैठक

इस केन्द्र ने हिन्दुस्तान लीवर लि0, ए बी बी लेंजोल्म सर्विसेज लि0, इण्डियन आयल टैकिंग लि0, विलेट (आई) प्रा0 लि0, वार्टसिला लि0, सेन्ट्रल बैक आफ इण्डिया, ग्लोबल ट्रस्ट बैक लि0, स्माल इंडस्ट्रीज डेवलेमेट बैक आफ इण्डिया, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन आफ इण्डिया लि0, इन्वेस्टर्स सर्विसेज आफ इण्डिया लि0, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ इडस्ट्रियल इजीनियरिंग, महाराष्ट्र सेन्टर फार एंट्राप्रीन्योरशिप डेवलेपमेट, भारतीय विद्यापीठ आदि अन्य कार्पोरेट निकायों/संस्थानो द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ निकट सहयोग किया।

4.5.3 सम्मेलन और कार्यशालाएं

इस वर्ष जिन कुछ राष्ट्रीय स्तर के महत्त्वपूर्ण सम्मेलनो/कार्यशालाओं का आयोजन किया, वे इस प्रकार हैं

- कार्पोरेट क्षेत्र अनुसंधान – 2000 विषय पर सम्मेलन (21 मई 2000)
- भारत और विदेशो मे कार्पोरेट शासन पद्धतिया – भारत की संस्थिति और सबक विषय पर कार्यशाला (20 अगस्त 2000)
- कार्पोरेट शासन के माध्यम से कार्पोरेट उत्कृष्टता – समसामयिक पद्धतियां और पूर्वानुमान (16 दिसम्बर 2000)

4.5.4 अनुसंधान संबंधी गतिविधियां

इस केन्द्र ने अनेक अनुसधान परियोजनाए चलाई है, जिनमें से कुछ कमीशड परियोजनाएं है जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणो मे है।

कुछ प्रमुख अनुसंधान प्रस्तावों में प्रतिस्पर्धा नीति, कार्पोरेट शासन की सभी शाखा–प्रशाखाएं, विलय और अधिग्रहरण आदि जैसे विषय शामिल हैं।

इसके अलावा सी सी आर टी ने 130.00 लाख रूपए की अनुमानित लागत से एक समाशोधन गृह–व–सूचना केन्द्र स्थापित करने के लिए भी एक प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव को पहले ही योजना आयोग और आई डी बी आई को साहचर्य आधार पर संभावित धन व्यवस्था के लिए प्रस्तुत किया जा चुका है।

4.5.5 प्रकाशन

सी सी आर टी ने निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया जिनमे प्रशिक्षण संबंधी पृष्ठभूमि और अनुसंधान संबंधी संग्रहों को शामिल करते हुए सम्मेलनों/कार्यशालाओं संबंधी पृष्ठभूमि पेपरों, प्रस्तुतियों और कार्यवाहियों को भी समाहित किया गया है :

- बैंक ग्राउंडर आन कस्टम एड सेन्ट्रल एक्साइज
- बैंक ग्राउडर आन कार्पोरेट रिस्क मेनेजमेंट एंड इश्युरेंस
- बैक ग्राउडर आन इन्टराप्रिन्योरशिप डेवलेपमेंट
- बैंक ग्राउंडर आन इन्टराप्रिन्योरशिप – कार्पोरेट सक्सेस स्टोरीज
- कपेण्डियम आन कार्पोरेट सेक्टर रिसर्च – 2000
- कार्पोरेट गवर्नेंस प्रेक्टिसेज इन इण्डिया एड एब्रोड
- कोर्पोरेट एक्सीलेंस थ्रू कार्पोरेट गवर्नेस

45.6 सी सी आर टी में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधा

पुस्तकालय को और भी आधुनिक तथा अद्यतन बनाया गया है ताकि इसमें और अधिक पुस्तके एवं पत्र–पत्रिकाएं आ सकें। पुस्तकालय तथा अनुसंधानकर्ताओं की भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए उपलब्ध खुली अलमारियों में शीशे के दरवाजे लगाए गए है और आवश्यक फर्नीचर, कम्प्यूटर, संदर्भ और अनुसंधान सामग्री की व्यवस्था की गई है। अब तक पुस्तकालय में 2000 से अधिक पुस्तके सग्रहीत हो गई हैं, जिनमें से अधिकांशतः हाल के प्रकाशन है और अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं, इसके अलावा पूरी तरह से सुसज्जित आडियो–विजुअल लाइब्रेरी है, जिसके साथ इंटरनेट सर्फिंग सेन्टर भी है, एवं टेलीविजन और जेरोक्स मशीन भी लगाई गई है। एक कस्टम–मेड कम्प्यूटराइज्ड साफ्टवेयर पैकेज के जरिए सभी पुस्तकें और जर्नल सदस्यों को उपलब्ध है।

5. सदस्य

5.1 नए प्रवेश

2000–2001 वर्ष मे 838 एसोसिएट सदस्य तथा 276 फैलो सदस्यो को प्रविष्ट किया गया। 31 मार्च 2001 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर मे 13457 सदस्य दर्ज थे, जिनमें से 9797 एसोसिएट और 3660 फैलो सदस्य थे। 31 मार्च 2001 को विदेशो मे रहने वाले सदस्यों की सख्या 270 थी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परिषद को 23 सदस्यो की मृत्यु की सूचना देते हुए दुख है।

2000–2001 वर्ष में 374 सदस्यों को प्रेक्टिस प्रमाण पत्र जारी किए गए। 31 मार्च 2001 को प्रेक्टिस प्रमाणपत्रधारियो की सख्या 1512 थी।

5.2 सदस्यों की सूची

कम्पनी सचिव विनियमावली 1982 के साथ पठित कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल 2000 की स्थिति के अनुसार सदस्यों की सूची प्रकाशित की गई है जिसमें कुछ अतिरिक्त सूचनाए दी गई हैं--जैसे सदस्यो के व्यावसायिक निवास के पते, जन्म की तारीख, टेलीफोन नम्बर, फैक्स नम्बर सेल्युलर नम्बर, पेजर नम्बर। सदस्यों को यह सूची उनके अनुरोध पर सप्लाई की गई है। सूची में अतिरिक्त सूचनाए दी गई हैं ताकि सदस्यों के बीच बेहतर सचार और सलाह मशविरा हो सके। सदस्यो तथा अन्य लोगो के प्रयोग के लिए इसी की क्षेत्रवार सूची भी कम्प्यूटर फ्लापी में तैयार की गई है। इसके अलावा सदस्यों की सूची, मतदाता सूची भी चुनाव--2000 के दौरान प्रकाशित की गई।

5.3 चुनाव

केन्द्रीय परिषद् और चार क्षेत्रीय परिषदों के चुनाव सफलतापूर्वक दिसम्बर 2000 मे सम्पन्न हुए और इसके परिणाम 4,5, और 6 जनवरी 2001 को अधिसूचित किए गए। केन्द्रीय परिषद् की कुल 12 सीटो के लिए 25 सदस्यो ने तथा चार क्षेत्रीय परिषदों की 37 सीटो के लिए 82 उम्मीदवारो ने चुनाव लडा।

श्री एन एस वालिया, अवर सचिव राज्य सभा सचिवालय के नेतृत्व मे बनाई गई टीम ने वोटो की गिनती की।

5.4 कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 और कम्पनी सचिव विनियम 1982 में संशोधन

पाठ्य विवरण में परिवर्तनों और प्रशिक्षण की आवश्यकताओ को प्रभावी बनाने के लिए कम्पनी सचिव विनियम 1982 मे संशोधनो को केन्द्र सरकार की अन्तिम स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया। कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 मे भी तीन इस्टीट्यूट अर्थात् आई सी एस आई, आई सी ए आई और आई सी डब्ल्यू ए आई के लिए समान सहिता बनाने के लिए और सदस्यता शुल्क में वृद्धि के लिए सशोधनों का प्रस्ताव किया गया है। केन्द्र सरकार अधिनियम मे सशोधन करने पर सक्रियता से विचार कर रही है।

6 चार्टर्ड सेक्रेटरी

इंस्टीट्यूट से औपचारिक पत्रिका 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' का प्रकाशन 1971 से हो रहा है और जनवरी 2001अंक के प्रकाशन के साथ इसका प्रकाशन 31वे वर्ष मे प्रवेश कर गया है। यह पत्रिका कम्पनी सचिवों के कार्यों के क्षेत्रो से जुडे मामलो में अद्यतन जानकारी देने के अपने ध्येय पर निरन्तर चल रही है। इसे सर्वोत्कृष्ट व्यावसायिक जर्नलों में माना जाता है, इसे विभिन्न स्थानों से, चाहे वह उद्योग, ट्रेड, वाणिज्य हो या फिर अन्य व्यावसायिक हो, सराहना प्राप्त हुई है और इसे समसामयिक विषयों पर ज्ञानवर्धक लेखो के उत्कृष्ट प्रकाशन, सरकारी अधिसूचनाओ, कानूनी निर्णयो आदि की त्वरित जानकारी देने वाली उत्कृष्ट पत्रिकाओं में स्वीकार किया गया है। समीक्षाधीन वर्ष मे केन्द्रीय बजट (अप्रैल 2000), साइबर लॉज/ई–कामर्स/आई टी स्पेशल (अगस्त 2000), प्रेक्टिसिग कम्पनी सेक्रेटरीज स्पेशल (नवम्बर 2000) और म्युचुअल फंड स्पेशल (दिसम्बर 2000) विशेषाक प्रकाशित किए गए, जिनका कार्पोरेट क्षेत्र मे हर तरफ स्वागत और सराहना हुई। यह पत्रिका पुनर्गठित सम्पादकीय सलाहकार बोर्ड के मार्ग दर्शन और परामर्श से त्वरित रूप से और अच्छे किस्म की सूचनाए देने की व्यवस्था कायम किए हुए है।

7 विद्यार्थी सेवाएं

7.1 नियमित पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण

आज के विद्यार्थी कल के सदस्य होंगे जिनके हाथो मे व्यवसाय की बागडोर होगी। इस्टीट्यूट ने सदैव ही विद्यार्थियों को इसी परिप्रेक्ष्य मे देखा है और उन्हें यथा सम्भव अच्छे से अच्छे किस्म की अकादमिक और प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने की कोशिश की है। 2000–2001 के दौरान 16071 विद्यार्थियो ने पंजीकरण कराया जबकि पिछले वर्ष 18421 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। 31–03–2001 को विद्यार्थियों की चालू पंजीकरण संख्या 123024 है, जिनमे वे 809 विद्यार्थी शामिल हैं, जिनका पजीकरण विनियम 21(3) के अधीन किया गया।

7.2 फाउंडेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश

रिपोर्टाधीन वर्ष में फाउण्डेशन पाठ्यक्रम मे 8315 विधार्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि पिछले वर्ष 11121 विद्यार्थियो को प्रवेश दिया था।

7.3 शिक्षण

इस वर्ष में फाउंडेशन पाठ्यक्रम तथा अन्य नियमित पाठ्यक्रमों में जिन विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया, उन सभी के नाम अनिवार्यत डाक शिक्षण के लिए भी दर्ज किए गए और उन्हें अध्ययन सामग्री दी गई। इस वर्ष शिक्षण समाप्ति पर 22165 प्रमाण पत्र जारी किए गए और फाउडेशन इंटरमीडिएट और फाइनल पाठ्यक्रम के लिए प्राप्त सभी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्याकन किया गया तथा विद्यार्थियों को वापस की गईं।

7.4 स्टूडेंट कम्पनी सेक्रेटरी

इस्टीट्यूट कम्पनी सचिव पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले विधार्थियो के लाभ के लिए नियमपूर्वक अपना मासिक बुलेटिन 'स्टूडेंट कम्पनी सेक्रेटरी' प्रकाशित करता है जिसमें उन्हे सभी अकादमिक और प्रशासनिक सूचनाएं दी जाती हैं जो कारगर ढंग से कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम के अध्ययन के लिए उनके लिए आवश्यक होती हैं।

7.5 कम्पनी सचिव फाउंडेशन पाठ्यक्रम बुलेटिन

फाउंडेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियो की आवश्यकता पूरी करने के लिए भी, इंस्टीट्यूट एक द्विमासिक बुलेटिन 'कम्पनी सचिव फाउंडेशन पाठ्यक्रम बुलेटिन' नियमपूर्वक प्रकाशित करता है जिसे सभी वर्तमान/सक्रिय विद्यार्थियों को नि शुल्क भेजा जाता है।

7.6 लाइसेंसधारी – आई सी एस आई

रिपोर्टाधीन अवधि मे इंस्टीट्यूट में 399 लाइसेंसधारी–आई सी एस आई प्रविष्ट किए गए। 31.3.2001 को लाइसेसधारिता के लिए जितने आई सी एस आई लाइसेसधारी वैध थे, उनकी संख्या 722 थी।

7.7 आई सी एस आई – आई सी एस ए के बीच सहमति ज्ञापन पर कार्रवाई

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट ने अपने सदस्यो के लिए जून और दिसम्बर 2000 में आई सी एस ए परीक्षाओं के दो सत्र सम्पन्न किए है।

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट के 31 सदस्यों ने आई सी एस ए की परीक्षाए उत्तीर्ण की जिनमे से 16 सदस्य योग्यता (मेरिट) के साथ उत्तीर्ण हुए और 3 सदस्यों को डिस्टिकशन मिली। श्री परितोष देब को जून 2000 में आयोजित आई सी एस ए की परीक्षा में 'कार्पोरेट लॉ' मे सर्वश्रेष्ठ परीक्षा पत्र के लिए जे एफ क्लार्क पुरस्कार मिला है।

7.8 विद्यार्थी सेवाओं का कम्प्यूटरीकरण

विद्यार्थियो से सबंधित अधिकाश गतिविधियों को कम्प्यूटरीकरण के प्रथम चरण में कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है। इन–हाउस कम्प्यूटरीकरण के दूसरे चरण मे कम्प्यूटर प्रणाली के जरिए राष्ट्रीय मुख्यालय के साथ क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयो की नेटवर्किंग कर दी जाएगी। विद्यार्थी सेवाओ सबंधी सभी महत्त्वपूर्ण सूचनाएं इंस्टीट्यूट के वेब साइट पर डाल दी गई हैं और इन्हे निरन्तर अद्यतन किया जा रहा है। इस्टीट्यूट अपने विद्यार्थियों को बेहतर, कुशल और किफायती सेवाएं देने के लिए ई–मेल प्रणाली का व्यापक प्रयोग कर रहा है।

8 परीक्षाएं

8.1 परीक्षाओं का आयोजन

परिषद की परीक्षा समिति ने परीक्षाओं के स्तर को बनाए रखने के लिए पूरे वर्ष अथक प्रयास किए। 2000–2001 के दौरान जून और दिसबर 2000 में देश भर में 51 केन्द्रों पर और एक केन्द्र विदेश (दुबई) में कम्पनी सचिवों की फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षायें आयोजित की गईं। जून और दिसम्बर 2000 की परीक्षाओ में बैठने के लिए क्रमश: 36235 और 31882 विद्यार्थियों ने नाम दर्ज कराए। 2000–2001 के दौरान विभिन्न परीक्षाओ में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियो की संख्या इस प्रकार है:

	परीक्षा सत्र	
परीक्षा–स्तर	**जून 2000**	**दिसंबर 2000**
फाउडेशन	1515	839
इटरमीडिएट	1334	1054
फाइनल	599	752

परीक्षा केन्द्रो की सूची और परीक्षा परिणामों के आकडे क्रमशः इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ग' और 'घ' में दिए गए है ।

8.2 पश्च सदस्यता अर्हता(पी.एम क्यू.) परीक्षा का आयोजन जून 2000 और दिसम्बर 2000 में 8 केन्द्रो–अर्थात्–अहमदाबाद, बंगलौर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई और पुणे में हुआ। पी एम क्यू. परीक्षा परिणामों के आंकडे इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ड' में दिए गए है।

8.3 अखिल भारतीय पुरस्कार

जून और दिसबर 2000 की परीक्षाओं के लिए प्रेजीडेंट के अखिल भारतीय पुरस्कार निम्नलिखित विद्यार्थियो को दिये गये:

पाठ्यक्रम	**जून 1999**	**केन्द्र**
इटरमीडिएट	नितिन गर्ग	कोलकाता
फाइनल	श्याम सुन्दर द्वारकानी	कोलकाता
पाठ्यक्रम	**दिसंबर 2000**	**केन्द्र**
इटरमीडिएट	सुश्री गौरी विजय भूलेस्कर	मुम्बई
फाइनल	सुश्री सकलिता सुभाष केडिया	मुम्बई

प0 नेहरू जन्म शताब्दी वार्षिक पुरस्कार कोलकाता के श्री श्याम सुन्दर द्वारनी जी ने जीता। पुरस्कार विजेताओं के नाम तथा अखिल भारतीय पुरस्कार योजनाओं तथा क्षेत्रीय पुरस्कार योजनाओं के ब्यौरे 'स्टूडेंट कम्पनी सेक्रेटरी' और 'सी एस फाउण्डेशन कोर्स' बुलटिनो मे प्रकाशित किये गए।

8.4 योग्यता प्रमाणपत्र / योग्यता छात्रवृत्तियां / वित्तीय सहायता

क्रमश जून और दिसबर 2000 सत्रो की फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के प्रथम सर्वोच्च 25 रैंक पाने वाले तथा फाइनल परीक्षा मे सर्वोच्च 10 रैंक पाने वाले परीक्षार्थिओ को योग्यता प्रमाण दिए गए।

योग्यता छात्रवृति योजना के अधीन जून और दिसबर 2000 सत्रों में सर्वोच्च प्रथम 15 रैंक पाने वालो को छात्रवृत्तियां दी गईं। इसी प्रकार योग्यता–व–साधन सहायता योजना के अधीन सुपात्र विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता दी गई।

9 प्रशिक्षण

9.1 प्रबंधन / प्रशिक्षु प्रशिक्षण के बारे में समुचित पुन श्चर्या के लिए इस्टीट्यूट की परिषद् ने प्रबधन / प्रशिक्षु प्रशिक्षण आरम्भ करने से पूर्व विद्यार्थियों के लिए ट्रेनिग ओरियेण्टेशन प्रोग्राम (टीओपी) शुरू किया है। इस तरह का (टीओपी) प्रथम कार्यक्रम उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् ने 28.08.2000 से 01.09.2000 तक आयोजित किया जिसमे 27 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। अब निर्णय लिया गया है कि सभी चार क्षेत्रीय परिषदों को छह महीने मे कम से कम एक बार इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।

9.2 कम्पनियों का पैनल

2000–2001 वित्त वर्ष मे प्रबन्धन प्रशिक्षण देने के लिए 183 कम्पनियो का पैनल बनाया और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए 136

कम्पनियो को पैनल पर रखा। उक्त अवधि मे 80 कम्पनियों की प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्रदान करने की सूची बनाई। प्रबधन और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए 31.3.2001 को पैनल पर क्रमशः 2066 और 2227 कम्पनिया थी। इसी प्रकार 31 3.2001 को प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्रदान करने वाली 544 कम्पनियां थी। वित्त वर्ष के दौरान प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कम्पनियों की संख्या में वृद्धि करने पर ही जोर नही दिया गया, बल्कि कम्पनियो द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जाता है उसकी गुणवत्ता को सुधारने का प्रयास भी किया गया।

9.3 प्रशिक्षण प्रदान करना

2000–2001 के दौरान 420 विद्यार्थियों को प्रबधन प्रशिक्षण प्रदान किया गया, 638 विद्यार्थियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा किया और प्रशिक्षु प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों की सख्या 140 थी।

9.4 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वित्त वर्ष 2000–2001 के दौरान क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं ने 28 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रमों (एसएमटीपी) का आयोजन किया और 963 विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक एस एम टी पी पूरा किया।

10. सार्वजनिक संबंध और नियोजन

10.1 सार्वजनिक संबंध

कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम के प्रति जागरूकता पैदा करने और व्यवसाय को और अधिक लोगो के सामने लोकप्रियता बढाने के विचार से इस्टीट्यूट ने प्रिट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से छवि निर्माण की अनेक प्रमुख गतिविधियों का आयोजन बडी सफलतापूर्वक किया है; उक्त मीडिया ने वर्ष 2000–2001 में कम्पनी सचिवों के लिए ब्रांड ईक्विटी बनाने का काम जारी रखा।

10.2 दूरदर्शन/आकाशवाणी पर कम्पनी सचिव संबंधी कार्यक्रम

पूरे वर्ष भर दूरदर्शन/आकाशवाणी पर कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम पर अनेकानेक फोन–इन–प्रोग्राम प्रचारित/प्रसारित किए गए। कम्पनी सचिवो के व्यवसाय पर चर्चा आधारित अनेक साक्षात्कार स्टार प्लस, जैन टीवी, पंजाबी तारा और दूरदर्शन के समाचार चैनल पर प्रसारित हुए, जिससे पूरे भारत में कम्पनी सचिव पाठ्यक्रम का व्यापक प्रचार हुआ।

10.3 समाचार पत्रों में कैरियर फीचर्स

कम्पनी सचिव पाठ्यक्रम के बारे में विद्यार्थी समुदाय को अवगत कराने के लिए अनेक समाचार पत्रों मे कैरियर फीचर्स का आयोजन किया गया, जिन्हे पूरे रगीन पृष्ठ में छापा गया, ये प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रो के विभिन्न संस्करणो मे प्रकाशित हुए, जिनमे हिन्दुस्तान टाइम्स, राष्ट्रीय सहारा, सन्डे आब्जर्वर, अमर उजाला, नवभारत टाइम्स, इण्डियन एक्सप्रेस, स्टेट्समेन, पायनीयर आदि शामिल है।

10.4 प्रेस विज्ञपतियां

समीक्षाधीन वर्ष में विभिन्न समाचार पत्रों में व्यवसाय के संबध मे अनेकानेक विज्ञप्तियां व्यापक रूप से प्रकाशित हुईं। पूरे वर्ष मे प्रमुख शैक्षिक समाचार पत्र–सप्लीमेंटों में फाउण्डेशन और इण्टरमीडिएट परीक्षाओ की 'कट–आफ' तारीखो को बहुत अधिक कवरेज मिली। कम्पनी सचिव परीक्षा–परिणाम अखिल भारतीय आधार पर (वर्ष मे दो बार) प्रकाशित हुए। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया (दूरदर्शन और जैन टीवी) दोनो मीडिया ने बजट प्रस्तुत किए जाने से पहले और बाद मे इंस्टीट्यूट द्वारा बजट संबंधी प्रतिक्रियाओ को प्रकाशित और प्रसारित किया। 20 जुलाई 2000 को इकॉनामिक टाइम्स, फिनाशियल एक्सप्रेस, हिन्दू, आब्जर्वर, नेशनल हेरेल्ड (मुख्य पृष्ठ) पर दैनिक हिन्दुस्तान और अमर उजाला ने 'रिस्ट्रकचरिंग आफ पब्लिक इंटरप्राइजेज' विषय पर एक्जीक्यूटिव डेवलेपमेंट कार्यक्रम को व्यापक रूप से प्रचारित–प्रसारित किया और इसके साथ फोटोग्राफ भी प्रकाशित किए। दूरदर्शन, जैन टीवी और सिटी केबल ने सेमिनार का भी प्रसारण किया। 31 दिसम्बर 2000 और 1 जनवरी 2001 को प्रमुख समाचार पत्रों में कम्पनी (सशोधन) अधिनियम पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को भी व्यापक कवरेज मिली। डीडी–1 और डीडी इंटरनेशनल पर उद्घाटन कार्यवाही का प्रसारण हुआ।

10.5 प्रेस सम्मेलन

अखिल भारतीय प्रेस सम्मेलनो के लिए पूरे वर्ष विभिन्न क्षेत्रीय/शाखा कार्यलयो को प्रचार सामग्री के साथ प्रेस विज्ञप्तिया भेजी जाती रही। कम्पनी सचिवों के 28वें राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रचार–प्रसार के लिए 7 सितम्बर 2000को एक प्रेस सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रेस सम्मेलन को अध्यक्ष जी ने सम्बोधित किया जिसका प्रचार–प्रसार न केवल कोलकाता मे, अपितु पूरे देश मे हुआ। इस प्रेस सम्मेलन को सिटी केबल और दूरदर्शन ने प्रसारित किया। कोलकाता और नई दिल्ली में प्रिट और इलेक्ट्रानिक दोनो मीडिया में व्यापक प्रचार–प्रसार हुआ। 8 दिसम्बर 2000 को 'बिजनेस स्टेण्डर्ड' (कोलकाता सस्करण) में एक पूरे पृष्ठ का 'न्यूज पेपर सप्लीमेट प्रकाशित किया गया।

10.6 कैरियर मेले

इंस्टीट्यूट ने 2,3 और 4 मार्च 2001 को नई दिल्ली मे आयोजित "कैरियर आप्शंस 2001" मेले मे भाग लिया। यह कैरियर मेला आल इण्डिया मैनेजमेट एसोसिएशन के सेंटर आफ मैनेजमेट सर्विसेज ने आयोजित किया था। इंस्टीट्यूट ने आई सी एस आई स्टाल पर आने वाले लगभग 2500 विद्यार्थियो को सूचना का प्रसार किया, यहां पर कम्पनी सचिव अध्ययन सामग्री, पोस्टरों और सूचनाकारी–पैनलो को

प्रदर्शित किया गया था। कैरियर मेले में आने वाले लोगों ने यहां पर आई सी एस आई कार्पोरेट फिल्म को बड़े उत्साह से देखा, जिसे इस्टीट्यूट ने लगातार तीन दिन तक मेले मे दिखाया था।

10.7 प्रेस साक्षात्कार

विगत की तरह इंस्टीट्यूट ने विद्यार्थी समुदाय के बीच कम्पनी सचिव पाठ्यक्रम की जानकारी देने तथा ट्रेड, उद्योग और कार्पोरेट क्षेत्र में कम्पनी सचिवों के व्यवसाय को और अधिक स्वीकार्यता प्रदान कराने के लिए देश भर में और अधिक जागरूकता पैदा करने का कार्यक्रम जारी रखा। प्रमुख समाचार पत्रों के अनेकानेक सस्करणों में अध्यक्ष और सचिव के प्रमुख प्रेस साक्षात्कार प्रकाशित हुए, जिनमें हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक हिन्दुस्तान, टाइम्स आफ इण्डिया, इकॉनामिक टाइम्स, बिजनेस स्टैण्डर्ड आदि जैसे समाचार पत्र शामिल है।

10.8 नियोजन

व्यापार प्रबन्धकों और कार्पोरेट विकास योजनाकारों के रूप में कम्पनी सचिवों के नियोजन पर विशेष ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रेस और दूरदर्शन पर साक्षात्कारों का समय–समय पर आयोजन किया गया। प्रेस सम्मेलनों मे इस व्यवसाय की बाजार में और अधिक माग बढाने के लिए कम्पनी सचिवों की उपयोगिता पर कहीं अधिक जोर दिया गया। 22 मई 2000 को नई दिल्ली मै मौके पर ही कम्पनी सचिवों के चयन के लिए एक 'जॉब फेयर' (अर्थात् नियोजन मेला) लगाया गया हैं। इस मेले मे पाच नियोजक सगठनो ने भाग लिया। समुचित नियोजन के लिए सदस्यों के साक्षात्कार हुए। सदस्यों से डाक द्वारा/व्यक्तिशः प्राप्त बायोडाटा का नियमित अद्यतन मानक कम्प्युटरीकृत फार्मेट में किया गया। सदस्यों के बायोडाटा और कम्पनी सचिवों संबंधी रिक्तियो को नियमित रूप से आई सी एस आई वेब साइट पर प्रदर्शित किया गया। वेब साइट समुचित कम्पनी सचिवो की खोज कर रही कम्पनियों को 'आन लाइन' सहायता प्रदान करती है और निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है। अधिकाश सदस्य और नियोजको ने इस सुविधा को उपयोगी पाया।

नियोजन प्रकोष्ठ ने अनुभव के वर्षों के आधार पर सदस्यो का क्षेत्र–वार डाटा बैंक बनाया है। इस्टीट्यूट ने पूरे वर्ष (1) संभावित नियोजको (2) समाचार विज्ञापनो और (3) नियोजन परमर्शदाताओ से प्राप्त अनुरोधों के जवाब मे रोजगार के लिए पजीकृत सदस्यो के बायोडाटा समुचित नियोजन के लिए उन्हे भेजे जिन सदस्यों ने रोजगार अवसरों के बारे में जानकारी चाही, उन्हें बहुराष्ट्रीय कम्पनियो और निजी क्षेत्र में उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी दी गई। नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा प्रायोजित अनेक उपयुक्त सदस्यो को नौकरी मिली।

11. वित्त

11.1 अधिशेष

इस समीक्षाधीन वर्ष मे पिछले 1999–2000 में सामान्य रिजर्व मे अन्तरित की गई व्यय से अधिक आय की अधिशेष राशि 59.20 लाख रूपए थी जबकि इस समीक्षाधीन वर्ष मे यह राशि 43 66 लाख रूपए है।

11.2 रिजर्व

(क) पूजी रिजर्व

31 मार्च 2001 को सदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क के पूजी रिजर्व की पूजीकृत राशि 58.18 लाख रुपये थी, जबकि 31 मार्च 2000 को यह राशि 55.12 लाख रुपये थी।

(ख) सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष 31 मार्च 2000 को जो सामान्य रिजर्व 2120.55 लाख रुपये था, वह अब बढ कर 31 मार्च 2001 को 2164.24 लाख रुपये हो गया है।

11.3 सांविधिक लेखा परीक्षक

कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 18(4) के अनुसरण मे मैसर्स खन्ना एड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउटेट्स नई दिल्ली को 31 मार्च 2001 को समाप्त वर्ष के लिए इंस्टीट्यूट का सांविधिक लेखा परीक्षक पुनः नियुक्त किया गया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट लेखा विवरण के साथ प्रकाशित की गई है।

12. भूमि और भवन

12.1 आई सी एस आई – ई आई आर सी भवन

3–ए, अहिरीपुकुर, फर्स्ट लेन, कोलकाता–700 019 स्थित आई सी एस आई – ई आई आर सी भवन अक्तूबर 1999 मे खरीदा और कब्जा लिया था। इस भवन को आवश्यक ढग से सुसज्जित करने के बाद पश्चिम बगाल विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री हासिम अब्दुल हाकिम ने 22 दिसम्बर 2000 को इसका उदघाटन किया। लगभग 10,000 वर्ग फुट कवर्ड एरिया वाले इस कार्यालय परिसर को प्राप्त करने के लिए 174.62 लाख रूपए खर्च किए गए।

12.2 नौयडा में नया भवन

सेक्टर 62, फेज–2, नौयडा में आई सी एस आई के नए भवन का निर्माण पूरा हो गया है, जिस पर 160 42 लाख रूपए खर्च हुए

और मुख्यालय ने अपने दो प्रमुख/बड़े विभाग नए परिसर में स्थानांतरित कर दिए हैं जिससे मुख्यालय में जगह की कमी की पूर्ति हुई है। इस भवन के निर्माण के बाद इस्टीट्यूट ने दिल्ली में और आस पास किराए पर लिए सभी तीन कार्यालय परिसरो को खाली कर दिया है। भवन का कुल निर्माण क्षेत्र लगभग 20,000 वर्ग फुट है।

12.3 फरीदाबाद शाखा की भूमि

हुडा द्वारा फरीदाबाद शाखा को आवटित भूखंड का कब्जा लेने के लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं।

13. क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को पूंजीगत अनुदान और ऋण

इंस्टीट्यूट ने अपनी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओ को 31 मार्च 2001 तक अपना कार्यालय भवन लेने के लिए जो अनुदान और ऋण दिया है उसका ब्यौरा इस प्रकार है:

(क)	अनुदान	112.34 लाख रुपये
(ख)	ऋण	238.24 लाख रुपये

इंस्टीट्यूट का प्रयास है कि क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा अपने काम काज के लिए भवन लेने के प्रयासों मे उनकी सहायता करे और इस संबंध में पूरक राशि दे। कुछ क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं मे अपने कार्यालय स्थल/भवन परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के लिए सराहनीय प्रयास किये है। परिषद इन क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा किये गए इन प्रयासो की प्रशंसा करती है।

14. कम्पनी सचिव हितकारी निधि (सी एस बी एफ)

सी एस बी एफ के आजीवन सदस्यों की संख्या 31 मार्च 2001 को 3522 थी। पिछले वर्षों मे सदस्यो की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती रही है। 31 मार्च 2001 को पूजी रिजर्व 96.64 लाख रुपये और सामान्य रिजर्व 36.34 लाख रुपये था।

15. भवन विकास संसाधन में पहल

15.1 निपुणताओं का उन्नयन

आज के प्रतिस्पर्धी व्यापार विश्व मे सदस्यो, विद्यार्थियो और अन्य ग्राहकों को कुशल सेवाएं प्रदान करना किसी भी शैक्षिक संस्थान के लिए अपना अस्तित्व बनाए रखने और विकास करने के लिए अत्यावश्यक है। आई सी एस आई प्रबधन इस बारे मे पूरी तरह से सचेत है और दृढता से विश्वास करता है कि कार्पोरेट क्षेत्र में विभिन्न खण्डों मे सर्वोकृष्ट प्रकार की व्यावसायिक सेवा प्रदान करने में माइक्रो-स्तर पर मानव ससाधन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए सामान्य प्रबंधन, सूचना तकनॉलॉजी, अन्तवैयक्तिक निपुणताओं आदि सहित संगठनात्मक आचरण जैसे प्रबंधन प्रणाली के विभिन्न पहलुओं में मानव ससाधन का विकास करने के लिए सभी सम्भव उपाए किए गए हैं। उनके ज्ञान को उच्च रतरीय बनाने और उन्हे तकनीकी निपुणता प्रदान करने एव तकनॉलॉजी रूप से उन्नयन और अनुकूलन के क्षेत्र में उभरती नई-नई प्रवृत्तियो को समझने के लिए सूचना तकनॉलॉजी क्षेत्र में इन-हाउस प्रशिक्षण देने के अलावा विभिन्न वाह्य संगठनो द्वारा संचालित मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों में अधिकारियो और कर्मचारियों को नामित किया है।

15.2 कर्मचारियों के साथ संबंध और कल्याण

अपने सदस्यो, विद्यार्थियों तथा विभिन्न ग्राहको को उत्कृष्ट व्यावसायिक सेवाए उपलब्ध कराने के लिए नियोजक और कर्मचारियो के बीच सौहार्दपूर्ण औद्योगिक सबंध अत्यत आवश्यक है। इसे अत्याधिक आवश्यक मानते हुए आई सी एस आई कर्मचारी सघ से सद्भावनापूर्ण संबध बनाए रखे गए। इसके अलावा आपस में साथी-भावना और पारस्परिक सहमति तथा सहयोग की सस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आई सी एस आई कर्मचारी क्लब आई सी एस आई कर्मचारी बचत और ऋण सोसाइटी और आई सी एस आई हितकारी निधि न विभिन्न गतिविधियों का सचालन किया। इसके फलस्वरूप सभी कर्मचारियो और आई सी एस आई कर्मचारी सघ ने पारस्परिक सहमति की सस्कृति को बढावा देने के और औद्योगिक संबध बनाने में अपना पूरा सहयोग दिया।

16. भावी दृष्टिकोण

एक शताब्दी पूर्व कम्पनी सचिव को एक लिपिक समझ जाता था, तब से लेकर आज वह कार्पोरेट क्षेत्र का सजग प्रहरी, गहन चिंतक और निगरानी कर्ता की वर्तमान स्थिति में पहुंचा है – तब से अब तक की संक्रान्तिकालीन मार्ग बहुत उबड खाबड और कठिन रहा है। इस लम्बी और कठोर यात्रा में पीड़ा और आनन्द दोनो प्रकार के पड़ावो के साथ अत्यत उथल-पुथल के अवसर आते रहे। आज हमारे सदस्यों को कार्पोरेट बोर्डों के सदस्यों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, प्रबंधन निदेशकों, विभागाध्यक्षो और समन्वित कार्पोरेट प्रबन्धकों के रूप में स्वीकृति प्राप्त है, जिसके पीछे प्रशिक्षण, ज्ञान और उन्हें इस क्षेत्र में मिले अवसरों का अभिव्यक्तिकरण शामिल है। आज की तुलना मे आने वाला कल सदैव उज्ज्वल है। व्यावसायिको को आगे बढ़ते रहने के लिए इसी आशा की भावना के साथ निरन्तर कार्यरत रहना होगा। विशेष रूप से आज विश्व भर मे जिस तरह से कार्पोरेट व्यावसायिक को और अन्य व्यापारी उद्यमियों के एकीकरण होने की आशा है, इन परिस्थितियों में कम्पनी सचिवो को इस व्यवसाय के हित मे पूरी तरह से समर्पित होकर कार्य करना होगा। उच्चतम नैतिक मानको और

व्यावसायिक निपुणताओ के प्रदर्शन के इलावा उन्हें सामाजिक रूप म भी जिम्मेदार बनना होगा। चाह कितना ही कानूनी सरक्षण या समर्थन या मान्यता मिल जाए, प्ररन्तु उससे कार्पोरेट व्यावसायिक के रूप में अनिवार्य अग तब तक विशिष्ट रूप से माना नही जाएगा जबतक कि कार्पोरेट और अन्य व्यापारिक सस्थाए उन्हे स्वैच्छिक रूप स मान्यता नही देने लगती हैं। इसके लिए हम सभी का यह कठिन दायित्व है कि हम इस व्यवसाय के प्रेक्टिस करने वाले पक्ष को पर्याप्त रूप से मजबूत करें और इसी से दीर्घावधि में इस व्यवस्था को स्थायी शक्ति मिल सकेगी। विशेष रूप से वरिष्ठ सदस्यो को इस दिशा मे सकारात्मक रूख अपना कर चलना होगा। हम सभी को अपने सामने लक्ष्य और ध्येय स्थापित करने होगे और अपनी शक्ति, कमजोरी, अवसरो और खतरो का मूल्याकन भी करना होगा। आइए, हम सब मिलकर हाथ मिलाए और कल के भविष्य के लिए बेहतर और मजबूत कार्पोरेट क्षेत्र के निर्माण के लिए इस व्यवसाय को सुदृढ़ करें।

17. आभार

परिषद केन्द्रीय सरकार के मत्रालयों और कार्यालयों ओर विशेष रूप से कम्पनी कार्य विभाग ओर भारतीय प्रतिभूति एव विनिमय बोर्ड 'सेबी' तथा अन्य नियामक प्राधिकरणो के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय और इस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में सहायता व मार्गदर्शन तथा समर्थन प्रदान करने के लिए आभार प्रगट करती है। परिषद विभिन्न राज्य सरकारों वित्तीय/औद्योगिक/निवेश सस्थानों/सामान्य रूप से कार्पोरेट क्षेत्र और देश में विभिन्न चैम्बर्स ऑफ कामर्स और ट्रेड एसोसिएशना तथा अन्य एजसियों के प्रति भी आभार प्रगट करती है, जिन्होंने इस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवायें लेने और इनकी विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान करने में लगातार रूचि की है।

परिषद इस्टीट्यूट के सचिवीय मानक बोर्ड और कोर ग्रुपों के प्रति भी अपना गहन आभार प्रगट करती है। परिषद, क्षत्रीय परिषद ओर इनकी शाखाओ जिनमें सेटेलाइट शाखाए भी शामिल है, द्वारा पूरे हृदय से प्रदान की गई सहायता और सहयोग के लिए तथा इस्टीटयूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की भी अपनी आर से अत्यधिक सराहना करती है, जिन्होंने बडी निष्ठा और कर्तव्य की भावना से काम किया।

परिषद की ओर से
डॉ. पी. वी. एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष

नई दिल्ली
तारीख : 30.08.2001

[विज्ञापन सं. 3/4/121/2001/असाधा.]

परिशिष्ट 'क'

व्यावसायिक विकास और अनवरत शिक्षा कार्यक्रम
(मद सं. 2.6 का अनुबन्ध)

1. 1 अप्रैल 2000 को नई दिल्ली में ई आर ई डी सी आई, नोएडा के साथ संयुक्त रूप से 'उद्यम संसाधन योजना' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम।
2. 19–20 अप्रैल 2000 को हैदराबाद में डी पी ई के साथ सयुक्त रूप से 'सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की पुनर्सरचना–मुद्दे, सुधार और परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम।
3. 10 जून, 2000 को नई दिल्ली में 'व्युत्पत्ति' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम।
4. 24 जून 2000 को हैदराबाद में 'सेबी (प्रगटन और निवेश सरक्षण) मार्गनिर्देश, 2000 पर आयोजित संगोष्ठी।
5. 29–30 जून, 2000 को नई दिल्ली में ओरियण्टल स्टाफ ट्रेनिंग कालेज, फरीदाबाद के साथ सयुक्त रूप से 'जोखिम प्रबधन और बीमा' विषय पर आयोजित दो दिवसीय भागीदारी प्रमाण पत्र कार्यक्रम।
6. 19–20 जून, 2000 को नई दिल्ली में डी पी ई के साथ संयुक्त रूप से 'सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की पुनर्सरचना–मुद्दे, सुधार और परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित दो विदसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम।
7. 23 अगस्त, 2000 को बंगलौर में 'कार्पोरेट और आर्थिक विधियों के अद्यतन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी।
8. 11 अक्तूबर, 2000 को नई दिल्ली में 'स्कोप' के साथ सयुक्त रूपसे 'ई–कामर्स' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम।
9. 29 दिसम्बर, 2000 को टेलीकाफ्रेंस के माध्यम से अहमदाबाद, बगलौर, कोलकाता, हैदराबाद, पुणे और नई दिल्ली में 'बीमा' विषय पर कार्यक्रम।
10. 30 दिसम्बर, 2000 को नई दिल्ली में कम्पनी (संशोधन) अधिनियम, 2000 विषय पर राष्ट्रीय सगोष्ठी।

परिशिष्ट 'ख'

समितियां, विशेष समूह और सलाहकार बोर्ड
(मद सं. 3.3 का अनुबन्ध)

स्थायी समितियां

1. अनुशासन समिति

डॉ0 पी.वी.एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
ए. रामास्वामी	सदस्य
हरीश के वैद	सदस्य

2 परीक्षा समिति

एस गगोपाध्याय, उपाध्यक्ष	चेयरमैन
गिरीश आहूजा	सदस्य
केयूर एम बख्शी	सदस्य

3. कार्यकारी समिति

डॉ0 पी.वी.एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
एस गगोपाध्याय, उपाध्यक्ष	सदस्य
ए रामारवामी	सदस्य
आर. नारायणन	सदस्य
पवन कुमार विजय	सदस्य

अन्य समितियां

4. व्यावसायिक विकास समिति

डॉ0 पी.वी.एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
हेमन्त आई भट्ट	सदस्य
एच एम चोराडिया	सदस्य
जी गेहानी	सदस्य
आर रवि	सदस्य
वी श्रीधरन	सदस्य
हरीश के वैद	सदस्य

5. प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों की समिति

वी श्रीधरन	चेयरमैन
महश ए अठावले	सदरय
केयूर एम. बख्शी	सदस्य
हेमत आई भट्ट	सदस्य
एच एम चोराडिया	सदस्य
हरीश के वैद	सदस्य

6. प्रशिक्षण तथा शिक्षण सुविधा समिति

एस गगोपाध्याय, उपाध्यक्ष	चेयरमैन
महश ए अठावले	सदस्य
हेमत आई भट्ट	सदस्य
एच एम कोराडिया	सदस्य
जी गेहानी	सदस्य
आर रवि	सदस्य
पवन कुमार विजय	सदस्य

7. विनियम समिति

डॉ0 पी.वी.एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
आर नारायणन	सदस्य
पल्लवी शर्राफ (श्रीमती)	सदस्य
हरीश के वैद	सदस्य

8. समन्वय समिति

डॉ0 पी.वी.एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
एस. गंगोपाध्याय	सदस्य
गिरीश आहूजा	सदस्य
यामल अश्विन कुमार व्यास	सदस्य

9. प्रकाशन समिति

यामल अश्विन कुमार व्यास	चेयरमैन
महेश के अठावले	सदस्य
पल्लवी शर्राफ (श्रीमती)	सदस्य

10. पी एम क्यू पाठ्यक्रम समिति

एस गगोपाध्याय, उपाध्यक्ष	चेयरमैन
गिरीश आहूजा	सदस्य
केयूर एम. बख्शी	सदस्य

11. नियोजन समिति

हरीश के वैद	चेयरमैन
जी. गेहानी	सदस्य
आर. रवि	सदस्य

12. सी सी आर टी प्रबंधन समिति

डॉ0 पी.वी.एस जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
एस.गगोपाध्याय, उपाध्यक्ष	सदस्य
ए. रामास्वामी	सदस्य
आर. नारायणन	सदस्य
पवन कुमार विजय	सदस्य
केयूर एम0 बख्शी	सदस्य

13. कम्प्यूटर समिति

पवन कुमार विजय	चेयरमैन
केयूर एम बख्शी	सदस्य
यामल अश्विन कुमार व्यास	सदस्य

14. अनुसंधान

डॉ0 पी.वी.एस. जगन मोहन राव, अध्यक्ष	चेयरमैन
पल्लवी शर्राफ (श्रीमती)	सदस्य
वी. श्रीधरन	सदस्य
यामल अश्विन कुमार व्यास	सदस्य

15. संपादकीय सलाहकार बोर्ड

एस बालासुब्रह्मण्यन	चेयरमैन
बी.एस भण्डारी	सदस्य
वी के. भसीन	सदस्य
जी.आर. भाटिया	सदस्य
बी डी विश्नोई	सदस्य
रेणु बुद्धिराजा	सदस्य
जी. गेहानी	सदस्य
बलबीर कौर	सदस्य
यू.सी. नाहटा	सदस्य
प्रो0 आर.एस. निगम	सदस्य
कल्याण एम रायपुरिया	सदस्य
टी.आर. रूस्तगी	सदस्य
यू.के सिन्हा	सदस्य
डॉ0 एस.पी. नारग	संपादक और प्रकाशक

परिशिष्ट (ग)

वर्ष 2000–2001 के दौरान आयोजित
परीक्षा (मद सं. 8.1 का अनुबन्ध)

1 आगरा	2 अहमदाबाद	3 इलाहाबाद	4 अम्बाला शहर	5 बंगलौर	6 बड़ौदा
7 भोपाल	8 भुवनेश्वर	9 चण्डीगढ	10 चेन्नई	11 कोयंबटूर	12 दिल्ली (पूर्व)
13 दिल्ली (उत्तर)	14 दिल्ली (दक्षिण)	15 दिल्ली (पश्चिम)	16 एरनाकुलम	17 गाजियाबाद	18 गुवाहाटी
19 हैदराबाद	20 इन्दौर	21 जयपुर	22 जम्मू	23 जमशेदपुर	24 जोधपुर
25 कानपुर	26 कोलकाता	27 लखनऊ	28 लुधियाना	29 मदुरई	30 मंगलौर
31 मेरठ	32 मुंबई (सीजी)	33 मुंबई (जीकेटी)	34 मुंबई (जेओजी)	35 मैसूर	36 नागपुर
37 नौयडा	38 पणजी	39 पटना	40 पाण्डिचेरी	41 पुणे	42 रायपुर
43 राजकोट	44 रांची	45 शिमला	46 तिरूवनंतपुरम	47 त्रिचुरापल्ली	48 उदयपुर
49 विजयवाडा	50 विशाखापत्तनम	51 यमुना नगर	52 विदेशी–केन्द्र: दुबई		

परिशिष्ट 'घ'

परीक्षा परिणामों के आंकड़े
(मद सं. 8.1 का अनुबन्ध)
जून 2000 का सत्र

परीक्षा–स्तर	परीक्षार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत
	नामांकित	बैठे	उत्तीर्ण	
फाउंडेशन	6136	4934	1515	30.71
इंटरमीडिएट*				
ग्रुप–1	13874	9040	1322	14 62
ग्रुप–2	13477	8798	1527	17.36
फाइनल**				
ग्रुप–1	3773	2735	709	25.92
ग्रुप–2	4898	3528	716	20.29

* इण्टरमीडिएट के दोनो ग्रुपों मे 2133 परीक्षार्थी बैठे, जिनमे से दोनो ग्रुपों में 115 परीक्षार्थियो ने परीक्षा पास की (7 27 प्रतिशत)।
** फाइनल के दोनो ग्रुपों मे 844 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपो में कुल 91 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की (10.78 प्रतिशत)।

दिसम्बर 2000 सत्र

परीक्षा–स्तर	परीक्षार्थियो की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत
	नामाकित	बैठे	उत्तीर्ण	
फाउंडेशन	4356	3547	837	23.60
इंटरमीडिएट*				
ग्रुप–1	12640	7967	1137	14.27
ग्रुप–2	11508	7380	1008	13.66
फाइनल**				
ग्रुप–1	4253	3098	1145	36 96
ग्रुप–2	5273	3766	716	19 01

* इंटरमीडिएट के दोनों ग्रुपो में 2048 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनो ग्रुपों मे कुल 116 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की (5.66 प्रतिशत)।
** फाइनल के दोनों ग्रुपो में 939 परीक्षार्थी बैठे जिनमे से दोनो ग्रुपों मे कुल 130 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की (13 84 प्रतिशत)।

परिशिष्ट 'ङ'

पश्च–सदस्यता अर्हता परीक्षा का परिणाम
(बिन्दु सं. 8.2 का अनुबन्ध)
जून 2000 सत्र

परीक्षा–स्तर	परीक्षार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत
	नामांकित	बैठे	उत्तीर्ण	
पीएमक्यू–ग्रुप–1	15	4	0	0.00
पीएमक्यू–ग्रुप–2	09	4	0	0 00

● दोनो ग्रुपों मे 5 परीक्षार्थियो के नाम अंकित किए गए, जिनमे से कोई परीक्षार्थी दोनो ग्रुपों मे नही बैठा।

दिसम्बर 2000 सत्र

परीक्षा–स्तर	परीक्षार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत
	नामांकित	बैठे	उत्तीर्ण	
पीएमक्यू–ग्रुप–1	12	4	0	0.00
पीएमक्यू–ग्रुप–2	03	1	0	0 00

● दोनो ग्रुपो में 3 परीक्षार्थियों के नाम अंकित किए गए, जिनमें से 1 परीक्षार्थी दोनों ग्रुपों में बैठा।

खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स

3/7–बी, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली – 110 002

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के 31 मार्च 2001 के संलग्न तुलन पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपोर्ट इस प्रकार है:

(क) हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए प्राप्त करने आवश्यक थे।

(ख) रिपोर्ट का संदर्भाधीन तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।

(ग) जिस हद तक आदेशात्मक लेखांकन मानकों का अनुपालन लागू होता है, तदनुसार तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे तैयार किए गए हैं।

(घ) हमारी राय में और जहा तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार वित्तीय विवरण इनके साथ दी गई टिप्पणियों और लेखांकन नीतियों के पढ़ने पर निम्नलिखित के बारे में लेखे सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते है:

(1) इंस्टीट्यूट के मामले से संबंधित 31 मार्च, 2001 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र के बारे में स्थिति।

(2) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे में अधिशेष से संबंधित स्थिति

कृते खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेट्स

(के ए बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर

स्थान : नई दिल्ली

तारीख : 30.08.2001

दि इस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली
तुलन पत्र

विवरण	अनुसूची	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति		
			2001	2000
निधि का स्रोत		रूपए	रूप्ए	रूप्ए
पूजी रिजर्व	1		5,818,270	5,511,870
सामान्य रिजर्व	2		216,423,643	212,054,663
वैज्ञानिक अनुसधान रिजर्व	3		–	–
चिकित्सा व्यय निधि	4		–	–
योग			222,241,913	217,566,533
निधि का प्रयोग				
स्थायी परिसम्पत्तियां	5			
सकल ब्लाक		146,362,798		124,695,964
घटाए: मूल्य ह्रास		40,884,920		31,993,056
निवल ब्लाक		105,477,878		92,702,908
जोड़े भूमि क्रय/निर्माणाधीन भवन के लिए पेशगी		1,295,878		16,401,132
			106,773,756	109,104,040
निवेश	6		111,329,474	94,345,632
चालू परिसपत्तिया, ऋण और पेशगी				
चालू परिसपत्तिया	7			
निवेश पर बना ब्याज		6,4443,697		7,223,744
हस्तगत स्टाक		4,632,497		5,308,577
विविध देनदार		787,505		777,495
नकदी और बैक शेष		30,638,429		40,331,763
		42,502,128		53,641,579
ऋण और पेशगियां	8	23,083,947		26,125,724
		65,586,075		79,767,303
घटाये चालू देयताये और प्रावधान	9			
देयताए		29,134,095		33,618,522
प्रावधान		32,313,297		32,031,920
		61,447,392		65,650,442
निवल चालू परिसम्पत्तिया			4,138,683	14,116,861
योग			222,241,913	217,566,533
लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरण पर टिप्पणियां	15			

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
खन्ना एड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउटेंट्स
ह0
(के ए बालासुब्रहमण्यन)
पार्टनर
स्थान नई दिल्ली
तारीख 30.08.2001

कृते और परिषद् की ओर से

(डॉ सी.पी. नारंग) सचिव
(एस. गंगोपाध्याय) उपाध्यक्ष
(डॉ. पी.वी.एस. जगन मोहन राव) अध्यक्ष

दि इस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज़ आफ इण्डिया, नई दिल्ली

आय तथा व्यय लेखा

विवरण		अनुसूची	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति	
			2001	2000
आय			रूपए	रूपए
विद्यार्थियो तथा सदस्यो से शुल्क		10	79,258,745	88,392,295
प्रकाशनों की बिक्री			7,813,993	8,004,841
जर्नल/बुलेटिन का चन्दा और विज्ञापन			2,844,849	2,189,899
निवेश पर ब्याज (सकल)				
(स्रोत पर काटा गया कुल ब्याज–शून्य)			17,500,288	18,563,572
कार्यक्रमों से आय			3,226,250	4,346,741
वैज्ञानिक अनुसधान गतिविधिया (सीसीआरटी)			7,312,710	2,261,624
प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं, बट्टे खाते डाले			5,029,108	653,421
अन्य		11	740,037	846,121
योग			**123,725,980**	**125,258,514**
व्यय				
स्थापना	*	12	37,976,665	36,951,162
डाक शिक्षण			7,194,740	9,146,654
प्रकाशन और कार्यालय स्टेशनरी	*		2,951,230	2,551,131
जर्नल और बुलेटिन			6,934,609	6,821,820
परीक्षा			9,346,540	10,073,611
सचार	*	13	3,451,475	3,325,661
क्षेत्रीय परिषदो और शाखाओ को अनुदान			3,600,632	4,198,253
क्षेत्रीय कार्यालय			674,993	1,129,495
यात्रा और सवारी	*		3,142,945	2,967,975
विद्यार्थियो को छात्रवृत्तिया और पुरस्कार			179,002	98,123
व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण	**		3,841,010	4,590,184
वैज्ञानिक अनुसधान गतिविधिया (सीसीआरटी सहित)			17,466,953	11,402,541
अन्य व्यय	*	14	8,409,393	9,297,497
मूल्यह्रास		5	5,944,572	5,577,687
चुनाव			1,102,248	–
चिकित्सा व्यय निधि मे अंशदान			1,000,000	500,000
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए प्रावधान			2,500,000	5,000,000
छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान			1,771,000	5,656,568
निवेश के मूल्य मे कमी के लिए प्रावधान			1,872,113	50,039
			119,360,120	119,338,401
व्यय से अधिक आय जो				
सामान्य रिजर्व मे ले जायी गई			4,365,860	5,920,113
योग			**123,725,980**	**125,258,514**

* यह राशि वैज्ञानिक अनुसधान गतिविधियों के लिए आवंटन के बाद की राशि है।

** इसमे ई आई आर सी को आवटित शून्य (पिछले वर्ष 4,02,000 रुपए) शामिल हैं।

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

खन्ना एड अन्नाधनम

चार्टर्ड एकाउटेंटस

ह0

(के ए बालासुब्रह्मण्यन)

पार्टनर

कृते और परिषद की ओर से

(डा एस पी. नारग) सचिव

(एस गगोपाध्याय) उपाध्यक्ष

(डॉ पी वी एस जगनमोहन राव) अध्यक्ष

स्थान नई दिल्ली

तारीख 30.8.2001

2825/GI/01-3

अनुसूची–1

पूंजी रिजर्व

(राशि रुपयों में)

विवरण	31 मार्च 2001		31 मार्च 2000
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		5,511,870	5,274,370
जोड़ें प्रवेश शुल्क–एसोसिएट सदस्य	251,400		192,300
–फैलो सदस्य	55,000		45,200
		306,400	237,500
योग		**5,818,270**	**5,511,870**

सामान्य रिजर्व

अनुसूची–2

(राशि रुपयों मे)

विवरण	31 मार्च 2001		31 मार्च 2000
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		212,054,663	182,390,264
जोड़ें भूमि/भवन के लिए क्षेत्रीय परिषदो/शाखाओं से अशदान	1,120		15,961,570
–प्रत्यक्ष दान राशि	2,000		–
- आय एव व्यय लेखा से अतरण	4,365,860		5,920,113
- सीसीआरटी परियोजना पूरी होने पर वैज्ञानिक अनुसधान परियोजना रिजर्व से अन्तरण	–		7,782,716
		4,368,980	
योग		**216,423,643**	**212,054,663**

अनुसूची–3

वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना (सी सी आर टी) रिजर्व

(राशि रुपयों में)

विवरण		31 मार्च 2001	31 मार्च 2000
पिछले तुलन पत्र के अनुसार			6,132,690
जोड़ें – प्राप्त दान राशि/अशदान			29,102,039
– निर्धारित निधियों पर ब्याज	–		17,000
			35,251,729
घटाए – आई सी एस आई द्वारा परिषद भारत क्षेत्रीय परिषद को दिए गए ऋण/ पेशगियों मे समायोजित किया गया (प्रतिपक्ष – अनुसूची–8)			27,469,013
– सी सी आर टी परियोजना पूरी होने पर सामान्य रिजर्व में अन्तरण			7,782,716
			35,251,729
योग		–	–

अनुसूची–4

चिकित्सा व्यय निधि

(राशि रुपयों में)

विवरण		31 मार्च 2001	31 मार्च 2000
पिछले तुलन पत्र के अनुसार			8,386,000
जोड़े – जमा राशियों पर ब्याज	–		–
– आय और व्यय लेखा से अंतरण	–	–	–
		–	8,386,000
घटाएं आईसीएसआई होस्पीटेलाइजेशन ट्रस्ट को अन्तरण			8,386,000
योग		–	–

अनुसूची-5
(राशि रूपयों में)

31–3–2001 को स्थायी परिसंपत्तियों की अनुसूची

क्रम सं	मद	सकल ब्लाक				मूल्य ह्रास				निवल ब्लाक	
		1–4–2001 को लागत	वृद्धि	कटौतियां	31–3–2001 को लागत	1–4–2001 को कुल जोड	वर्ष के दौरान	कटौतिया	31–3–2001 को कुल जोड	31.3.2001 की स्थिति	31.3.2000 की स्थिति
1.	पट्ट पर भूमि	10474486	0	0	10474486	0	0	0	0	10474486	10474486
2	भवन	74996129	16690381	0	91686510	13156971	3927428	0	17084399	74602111	61839158
3	फर्नीचर और जुडनार	11371970	2128954	0	13500924	3181256	1314728	0	4495984	9004940	8190714
4	कम्प्यूटर नेटवर्क	12255139	1378609	0	13633748	8456225	2104958	0	10561183	3072565	3798914
5.	एयरकण्डीश्नर इस्टालशन और कूलर	4697464	70087	37236	4730315	1600899	475806	23194	2053571	2676744	3096565
6	बिजली के उपकरण	2807290	94399	0	2901689	1155698	279285	0	1434983	1466706	1651592
7	कार्यालय और सचार उपकरण	4620237	1108017	124239	5604015	2268018	521054	55054	2734018	2869997	2352219
8.	अन्य उपकरण	589351	357858	0	947209	168018	119683	0	287701	659508	421333
9.	पुस्तकालय की पुस्तके	2239082	0	0	2239082	1852584	128820	0	1981404	257678	386498
10.	वाहन	644820	0	0	644820	153391	98286	0	251677	393143	491429
	इस वर्ष का योग	124695968	21828305	161475	146362798	31993060	8970108	78248	40884920	105477878	92702908
	पिछले वर्ष का जोड	70245184	55308370	857586	124695968	23911675	8529363	447978	31993060	92702908	
निम्नलिखित के लिए पूंजीगत पेशगियां											
1	भूमि (वित्तीय टिप्पणियो की टिप्पणी स. 2 देखें)	300000	0	0	300000	0	0	0	0	300000	300000
2	भवन (निर्माणाधीन)	16101132	677257	15782511	995878	0	0	0	0	995878	16101132
3.	अन्य	0	1685121	1685121	0	0	0	0	0	0	0
	इस वर्ष का जोड	16401132	2362378	17467632	1295878	0	0	0	0	1295878	16401132
	पिछले वर्ष का जोड	36727694	13427659	33754221	16401132	0	0	0	0	16401132	

नोट · 89,70,108 रूपए के कुल मूल्यह्रास मे से सी.सी.आर टी से सबद्ध सभी सम्पत्तियो की 30,25,535 रूपए की राशि को वैज्ञानिक अनुसंधान की गतिविधियो के खर्च मे डाल दिया गया है।

अनुसूची–6

निवेश–लागत पर

(राशि रुपयो मे)

विवरण	31 3.2000 की स्थिति	वृद्धि	विलोपन	31 3 2001 की स्थिति
(क) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमो की मियादी जमा राशि				
– स्टील अथारिटी ऑफ इण्डिया लि (13.5%-14,5%)	12,900,000	-	12,900,000	-
– मिनरल्स एड मेटल्स ट्रेडिग कार्पोरेशन (14 5 प्रतिशत–15 प्रतिशत)	5,500,000	-	5500000	-
– हाउसिग एड अर्बन डेवलेपमेट कार्पोरेशन (12–12 5 प्रतिशत)	14,000,000	-	-	14,000,000
– हाउसिंग एड अर्बन डेवलेपमेट कार्पोरेशन (12प्रतिशत)	50,000	-	-	50,000 *
योग (क)	**32,450,000**	-	**18,400,000**	**14,050,000**
(ख) बैको / सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमो / वित्तीय सस्थानो के बध पत्र				
– भारतीय स्टेट बैंक के 14 5 प्रतिशत ब्याज के एक–एक हजार रुपये के 6000 (पिछले वर्ष 6000) बध–पत्र	5,757,500	-	-	5,757,500
नेशनल हाइड्रो–पावर कार्पो लि 17 के प्रतिशत ब्याज के एक–एक हजार के शून्य (पिछले वर्ष 9000) बध–पत्र	-	-	-	-
स्टील अथारिटी आफ इण्डिया के 16 75 प्रतिशत ब्याज के एक–एक लाख रुपये के 25 (पिछले वर्ष 45) बध पत्र	4,500,000	-	2,000,000	2,500,000
इण्डस्ट्रियल डेवलेपमेट बैंक आफ इण्डिया के एक–एक लाख रुपये के 200 (पिछले वर्ष 200) जीरो कूपन बध–पत्र	18,244,045	-	18,244,045	-
इडस्ट्रियल डेवलपमेट बैंक ऑफ इण्डिया के 14 % ब्याज के दस–दस हजार रूपये के 600 (पिछले वर्ष शून्य) बध पत्र	6,000,000	-	-	6,000,000
इडस्ट्रियल डेवलपमेट बैंक ऑफ इण्डिया के 14 % ब्याज के पाच–पाच हजार रूपये के 800 (पिछले वर्ष शून्य) बध पत्र	4,000,000	-	-	4,000,000
इडस्ट्रियल डेवलपमेट बैंक ऑफ इण्डिया के 12 75 प्रतिशत ब्याज के पाच–पाच हजार रुए के 260 (पिछले वर्ष शून्य) बध पत्र	1,300,000	-	1,300,000	-
इडस्ट्रियल डेवलेपमेंट बैंक आफ इण्डिया के 12 प्रतिशत ब्याज के एक–एक लाख रूपये के 25 (पिछले वर्ष शून्य) बध पत्र	-	2,500,000	-	2,500,000
इडस्ट्रियल डेवलेपमेट बैंक आफ इण्डिया के 12 प्रतिशत ब्याज के एक–एक लाख रूपये के 30 (पिछले वर्ष शून्य) बध पत्र	-	3,000,000	-	3,000,000
इडस्ट्रियल डेवलेपमेट बैंक आफ इण्डिया के 12 प्रतिशत ब्याज के एक–एक लाख रूपये के 85 (पिछले वर्ष शून्य) बध पत्र	-	8,500,000	-	8,500,000

इंडस्ट्रीयल फिनास कार्पोरेशन आफ इंडिया के 15,5 प्रतिशत ब्याज के पांच–पांच हजार रूपए के 800 (पिछले वर्ष 800) बंध–पत्र	4,000,000		4,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि के 13 5 प्रतिशत ब्याज के पांच–पांच हजार रूपये के 1000 (पिछले वर्ष शून्य) बंध–पत्र	5,000,000		5,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो. आफ इण्डिया लि. के दस–दस हजार रुपये के 15.5 प्रतिशत ब्याज के 89 (पिछले वर्ष 89) बंध पत्र	890,000		890,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि (इससे पूर्व शिपिंग क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0) के पांच–पाच हजार रुपये के 16 प्रतिशत ब्याज के 200 (पिछले वर्ष 200) बंध पत्र	1,000,000		1,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो. आफ इण्डिया लि. के पाच–पाच हजार रुपये के 12 1 प्रतिशत ब्याज के 1000 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र	5,000,000		5,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि के एक–एक लाख रुपये के 12.2 प्रतिशत ब्याज के 10 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र		1,000,000	1,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि. के एक–एक लाख रुपये के 12.05 प्रतिशत ब्याज के 8 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र		800,000	800,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि के एक–एक लाख रुपये के 12.15 प्रतिशत ब्याज के 20 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र		2,000,000	2,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो. आफ इण्डिया लि के एक–एक लाख रुपये के 12.1 प्रतिशत ब्याज के 60 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र		6,000,000	6,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि. के एक–एक लाख रुपये के 12 1 प्रतिशत ब्याज के 20 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र		2,000,000	2,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो. आफ इण्डिया लि के एक–एक लाख रुपये के 12 प्रतिशत ब्याज के 30 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र		3,000,000	3,000,000

– इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो. आफ इण्डिया लि. के एक–एक लाख रुपये के 12 प्रतिशत ब्याज के 100 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र	-	10,000,000	-	10,000,000
इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो आफ इण्डिया लि के एक–एक लाख रुपये के 12.2 प्रतिशत ब्याज के 200 (पिछले वर्ष शून्य) बंध पत्र	-	20,000,000	-	20,000,000
इण्डियन रेलवे फिनान्स कार्पो. लि के एक–एक हजार रुपये के 16 5 प्रतिशत ब्याज के 1000 (पिछले वर्ष 1000) बंध पत्र	980,000	-	-	980,000
योग (ख)	56,671,545	58,800,000	21,544,045	56,671 545
(ग) भारतीय यूनिट ट्रस्ट की (यू.एस 64–योजना के अधीन) यूनिट				
345983 यूनिट. (पिछले वर्ष 345983)	5,621,129	-	-	5,621,129
10610 यूनिट (पिछले वर्ष 10610)	153,578	-	-	153578 *
	5,774,707	-	-	5774707 @
घटाए यूनिटों के मूल्यों में कमी का प्रावधान (नोट स 3 देखिए)	(550,620)	-	(1,872.113)	(2,422,733)
योग (ग)	5,224,087	-	(1.872,113)	3,351,974
कुल जोड़ (क+ख+ग)	94,345,632	58,800,000	38.071,932	111,329,474

* पुरस्कार प्रदान करने के लिए निर्धारित (प्रतिपक्ष – अनुसूची–9)

@ 31 3 2001 को भारतीय यूनिट ट्रस्ट की यू एस–64 योजना के अधीन पुनर्खरीद मूल्य 49,92,302 रुपये था।

अनुसूची–7

चालू परिसम्पत्तियां

(राशि रुपयों में)

विवरण	31–3–2001		31–3–2000
निवेशों पर प्रोदभूत ब्याज		6,443,697	7,223,744
स्टॉक (प्रबंधन द्वारा			
लिया गया और प्रमाणित मूल्यांकन)			
प्रकाशन	76,588		283,339
कागज	3,865,468		4,243,224
अध्ययन सामग्री	96,061		234,945
अन्य	594,380		547,069
		4,632,497	5,308,577
विविध देनदार (असुरक्षित)			
– राशि, जो छह महीने से अधिक समय से बकाया है			
– जिनकी वसूली की सभावना है।	616,185		95,652
– जिनकी वसूली की संभावना संदिग्ध है।	-		63,515
	616,185		159,167
अन्य (जिनकी वसूली की संभावना है)	171,320		681,843
	787,505		841,010
घटाएं जिनकी वसूली की सभावना नहीं है और संदिग्ध है।	-		63,515
		787,505	777,495
नगदी और बैंक शेष			
(क) नकदी, चैक/ड्राफ्ट/पोस्टल आर्डर,			
डाक टिकट/फ्रैकिंग यूनिट	473,108		428,575
अनुसूचित बैको के पास			
बचत बैक खातों मे जमा	5,953,396		4,933,253
अल्प अवधि/दीर्घ अवधि खातो में जमा			
(इसमे 12177 रुपये (पिछले वर्ष 6,677			
रुपये) की पुरस्कार प्रदान करने की			
राशि (प्रतिपक्ष–अनुसूची–9)	19,512,177		26,907,019
(ग) मियादी जमा पर प्रोदभूत ब्याज	4,699,748		8,062,916
		30,638,429	**40,331,763**
योग		**42,502,128**	**53,641,579**

अनुसूची–8

ऋण और पेशगियां

(राशि रुपयों मे)

विवरण		31 मार्च 2001	31 मार्च 2000
ऋण:			
भवनों के लिए क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के		18,327,671	46,561,795
पेशगियां			
कर्मचारी (प्रोद्भूत ब्याज सहित)	3,042,292		3,921,532
क्षेत्रीय परिषदें/शाखाये	-		487,943
अन्य	752,671		1,016,983
		3,794,963	5,426,458
पूर्व प्रदत्त व्यय		362,464	363,854
विविध जमा राशियां		595,849	1,242,630
		23,083,947	53,594,737
घटाएं आई सी एस आई से पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद को दिए गए अशदान को वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना रिजर्व में समायोजित किया गया (प्रतिपक्ष–अनुसूची 3)		-	27,469,013
योग		**23,083,947**	**26,125,724**

अनुसूची–9

चालू देयतायें और प्रावधान

(राशि रुपयों में)

विवरण	31.3.2001		31.3.2000
देयतायें			
अग्रिम प्राप्त राशियां			
– विद्यार्थियों से रजिस्ट्रेशन शुल्क	18,760,180		22,153,540
– अन्य	295,831		97,609
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय राशि	3,795,913		2,132,100
विविध लेनदार	618,731		1,413,369
देय व्यय	905,027		3,561,236
हितकारी निधि			
– कंपनी सचिव	184,264		2,195,236
– कर्मचारी	94,846		593,970
पुरस्कार प्रदान करने के लिए जमा राशि (प्रतिपक्ष–अनुसूचियां 6 और 7)	232,255		215,755
न्यास	4,247,048		1,255,707
		29,134,095	**33,618,522**
प्रावधान			
5वे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार देय अन्य लाभ	2,108,733		2,108,733
स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	17,500,000		15,000,000
छुट्टी नकद भुगतान	6,803,492		6,598,168
परिसम्पत्तियों को बट्टे खाते डालना	538,353		538,353
सम्पत्ति कर	370,848		4,653,291
अन्य	4,991,871		3,133,375
		32,313,297	**32,031,920**
योग		**61,447,392**	**65,650,442**

अनुसूची–10

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

(राशि रुपयों में)

विवरण	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति		
	2001		2000
सदस्य			
वार्षिक शुल्क	3,581,598		3,467,025
अन्य शुल्क	21,550		18,550
		3,603,148	**3,485,575**
विद्यार्थी			
पंजीकरण शुल्क	15,134,210		16,838,815
छूट शुल्क	1,730,943		2,281,611
डाक शिक्षण शुल्क	31,937,359		39,907,522
परीक्षा शुल्क	26,245,025		25,170,967
लाइसेंसधारी शुल्क	158,165		160,250
अन्य शुल्क (पी एम क्यू सहित)	449,895		547,555
		75,655,597	**84,906,720**
योग		**79,258,745**	**88,392,295**

अनुसूची–11

अन्य आय

(राशि रुपयों में)

विवरण	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति	
	2001	2000
निवेश पर प्रोत्साहन राशि	49,920	170,685
निवेश बिक्री से लाभ	19,500	297,620
कर्मचारी पेशगियों पर ब्याज	154,425	349,170
विशेषज्ञ परामर्शी सेवाए	-	5,000
परिसंपत्तियो के निपटान से अधिशेष	-	213
विविध	516,192	23,433
योग	**740,037**	**846,121**

अनुसूची–12

स्थापना

(राशि रुपयो में)

विवरण	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति			
	2001		2000	
वेतन और भत्ते		34,456,987		33,851,653
अशदान भविष्य निधि	2,210,972		2,137,390	
उपदान निधि	1,500,000		1,617,205	
पेंशन निधि	1,629,000		1,273,000	
		5,339,972		5,027,595
कर्मचारी कल्याण		2,038,581		1,993,488
		41,835,540		**40,872,736**
घटाए वैज्ञानिक अनुसधान गतिविधियों को आवटित राशि		3,858,875		3,921,574
निवल राशि		**37,976,665**		**36,951,162**

अनुसूची–13

संचार

(राशि रुपयों में)

विवरण	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति		
	2001		2000
डाक खर्च और कूरियर	2,852,125		2,710,811
टेलीफोन, फैक्स, ई–मेल आदि	891,596		919,288
कुल योग		**3,743,721**	**3,630,099**
घटाए वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आवंटित राशि		292,246	304,438
निवल राशि		**3,451,475**	**3,325,661**

अनुसूची–14

अन्य व्यय

(राशि रुपयो में)

विवरण	31 मार्च को समाप्त वर्ष की स्थिति		
		1999–2000	1998–99
विज्ञापन और कैरियर जागरूक कार्यक्रम		1,164,861	874,033
किराया, और कर *		712,510	1,442,956
बिजली और पानी		2,427,970	2,188,498
बीमा		97,118	73,957
मरम्मत और अनुरक्षण			
– भवन	291,909		407,283
– मशीन/उपस्कर	550,147		503,346
– वाहन	168,339		133,610
		1,010,395	1,044,239
विधिक और व्यावसायिक प्रभार		346,387	287,010
कार्यालय व्यय		2,445,309	2,007,998
कम्प्युटरीकरण			
– डाटा प्रोसेसिंग	236,694		393,404
– साफ्टवेयर	164,205		787,405
		400,899	1,180,809
बैठके		254,796	175,900
पैकिंग, ढुलाई और भाड़ा		201,331	234,883
परिसम्पत्तियो की बिक्री/निपटान पर हानि		31,274	111,456
प्रदत्त ब्याज		25,788	5,509
बैंक प्रभार		51,677	71,930
लेखा परीक्षक शुल्क			
– लेखा परीक्षा शुल्क	63,000		63,000
– अन्य सेवाएं	25,000		25,000
		88,000	88,000
निवेश की वापसी पर हानि		-	22,500
परिसम्पत्तियो की समाप्ति		-	215,058
प्रकाशकों की बिक्री पर कमीशन		73,000	68,200
कुल योग		9,331,315	10,092,936
घटाए : वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आबंटित राशि		921,922	795,439
निवल राशि		**8,409,393**	**9,297,497**

* लोदी रोड़ और प्रसाद नगर के भवनो के बारे में सम्पत्ति कर के लिए 1,66,845 रुपये (पिछले वर्ष 3,90,258 रुपये) की राशि शामिल है।

अनुसूची–15

लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां

(क) लेखांकन नीतियां

1. क्षेत्रीय परिषदों / शाखाओं द्वारा दान राशियां और अंशदान

सीधे प्राप्त दान राशियों और क्षेत्रीय / शाखाओं द्वारा भूमि / भवनों और अन्य सम्पत्तियों की खरीद के लिए अंशदानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों को "सामान्य रिजर्व" खाते में ले जाया जाता है।

2. शुल्क

(क) फैलो और एसोसिएट सदस्यों से प्रवेश शुल्क को प्राप्त होने पर सीधे "पूंजी रिजर्व" खाते में दिखाया जाता है और उनकी प्रोद्भूत राशि नहीं बनाई जाती है।

(ख) सदस्यों से जितना शुल्क प्राप्त होता है, उतनी राशि नकद आधार पर हिसाब में ली जाती है। किन्तु अग्रिम में प्राप्त शुल्क को देयता के रूप में आगे ले जाया जाता है।

(ग) पंजीकरण शुल्क को छोड़ कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को नकद–आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है, क्योंकि विद्यार्थियों को लाभ पाच वर्षों की अवधि तक मिलता है।

3. निवेश

निवेश का मूल्य लागत या बाजार मूल्य के अनुसार लिखा गया है। यूएस–64 योजना के मामले में निवेशो का मूल्याकन लागत के कम स्तर पर या यूनिट ट्रस्ट आफ इण्डिया द्वारा दिए गए पुनर्खरीद मूल्य पर किया गया।

4. स्थायी परिसम्पत्तियां

(क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रभारित किया जाता है:

मदें	प्रतिशत
भवन	5
फर्नीचर और जुडनार	10
एयरकंडीशनर / कूलर / तथा अन्य उपस्कर	15
पुस्तकालय की पुस्तकें (1.04.1999 से पहले खरीदी गईं)	33.33
वाहन	20
कम्प्यूटर	40

(ख) परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रभारित किया जाता है, चाहे परिवर्धनों की तारीखें कुछ भी हों और बिक्री के वर्ष में मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता है।

(ग) 01.04.1999 या उससे बाद प्राप्त लाइब्रेरी पुस्तकों को "पुस्तकें और पत्र पत्रिकाए" शीर्ष के अधीन राजस्व लेखे में डाला गया है।

(घ) पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, 5,000 रुपये या इससे कम मूल्य की स्थायी परिसम्पत्तियों का पूर्ण मूल्यह्रास उन परिसम्पत्तियों के प्राप्ति वर्ष में किया जाता है और जिनका अंकित मूल्य वर्ष के आरम्भ में 250 रुपये या इससे कम होता है, उनका पूरा मूल्यह्रास किया जाता है।

(ड.) पट्टे पर भूमि के लिए दिए गए प्रीमियम को पट्टे की अवधि में संक्रमित नहीं किया जाता है।

5. इंवेंटरी

(क) कागज तथा अन्य सामग्री के स्टॉक का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया जाता है।

(ख) अध्ययन सामग्री, प्रकाशनों, जर्नलों / बुलेटिनों और आडियो कैसेटों का मूल्य निम्नलिखित नाम–मात्र लागत के आधार पर लगाया जाता है: 50 रुपये तक की मूल्य वाली मदों के लिए 1 रुपये और 50 रुपये से अधिक मूल्य की मदों के लिए 5 रुपये।

6 कर्मचारी सेवा–निवृत्ति लाभ

(क) पेशन निधि न्यास मे अंशदान बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

(ख) उपदान न्यास में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम से प्राप्त नोटिस/प्रबंधन द्वारा लगाए अनुमान के आधार पर किया जाता है।

(ग) बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर छुट्टी के लिए नकद राशि के भुगतान का प्रावधान किया जाता है।

(ख) वित्तीय विवरण से संबंधित टिप्पणियां

1 इस्टीट्यूट को वित्तीय वर्ष 2000–2001 से 2002–2003 तक के लिए आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23ग) (4) के अधीन छूट प्रमाण पत्र दिनांक 1–03–2001 मिल गया है। उपर्युक्त धारा के अधीन उपलब्ध छूट के अनुसार लेखों में कर का प्रावधान किया गया है।

2. हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद ने 3.65 लाख रुपये में 500 वर्ग गज की जड़ खरीद भूमि का आवटन इंस्टीट्यूट की फरीदाबाद शाखा के नाम किया था, परन्तु हूडा इसका कब्जा इस भूमि की मिल्कियत के विवाद के कारण नहीं दे सका और उसने एक दूसरा प्लाट देने का वायदा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं किया है। दूसरे प्लाट का आवंटन का मामला लटका रहने के कारण अभी तक भुगतान कर दी गई 3.65 लाख रुपये (3 लाख रुपये इंस्टीट्यूट की लेखा पुस्तक मे भूमि खरीद के लिए पेशगी के रूप में दिखाए गए हैं और 65 हजार रुपये शाखा की लेखा पुस्तक में है) पेशगियो के अन्तर्गत चल रहे हैं।

3. लेखांकन नीति सं. 3 के अनुरूप यू.एस.–64 योजना की यूनिटों का मूल्यांकन लागत के कम स्तर या पुनर्खरीद मूल्य पर किया गया है। किन्तु 31.03.2001 के बाद इस फंड की प्रतिकूल स्थितियों की खबरों को देखते हुए और विवेक सम्मत तथा पर्याप्त सावधानी बरतने के लिहाज से उपाए के रूप में लेखों में 16.40 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है।

4. वेतन और भत्तो के लिए पिछले वर्ष किए गए प्रावधान की बकाया 21.09 (पिछले वर्ष 21.09 लाख रुपये) लाख रुपये की राशि को पेंशन में सभावित वृद्धि के लिए बनाए रखा है।

5 पिछली पद्धति के अनुसार विवेकपूर्ण उपाय के रूप में प्रकाशनों/अध्ययन सामग्री की समापन इंवेट्री का मूल्याकन नाम मात्र की राशि के रूप में किया गया है, क्योंकि इन प्रकाशनों/अध्ययन सामग्री का महत्व विद्यार्थियो को छोड़ कर अन्य किसी व्यक्ति के लिए नहीं है, और वह भी जब वे इन्हें खरीदते हैं।

6. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के बनने और मान्यता मिलने तक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति सम्बन्धी भुगतान का प्रावधान करने के लिए प्रस्तावित स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वी आर एस) की अधिशेष राशि में से वर्ष 2000–2001 तक, जिसमें वर्ष 2000–2001 भी शामिल है, के लिए 175 लाख रूपए की राशि "प्रावधान" शीर्ष के अधीन अलग से रखी गई है।

7. वसूल की जाने वाली पेशगियों के खाते में शेष बकाया राशि, क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के ऋणों की शेष राशियों की अभी पुष्टि होनी है।

8 जहां आवश्यक हुआ है, पिछले वर्ष के आंकड़ों की इस वर्ष के आंकड़ों से तुलना करने के लिए पुन: समूहीकरण/पुन: व्यवस्थित किया गया है।

9 पहले की तरह ही इस बार भी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के खातों को समेकित नहीं किया गया है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th September, 2001

Report of the Council

F. No. 104/29/Accts.—1. INTRODUCTION :

In terms of the requirement of sub-section (5) of section 18 of the Company Secretaries Act, 1980, the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to present its Twenty First Annual Report and audited statements of accounts along with the Auditor's Report thereon, on the working of the Institute for the year ended 31st March, 2001.

2. DEVELOPMENTS

2.1 The Companies (Amendment) Act, 2000

An event of very great significance and value during the year has been the much awaited enactment of the Companies (Amendment) Act, 2000, setting in a new era of good corporate governance, investor protection and shareholder democracy. The Amendment Act is in line with the changing needs of the corporate sector arising in the wake of ongoing globalisation process.

Notably, the insertion of proviso to sub-section (1) of Section 383A of the Companies Act, 1956 has opened up a core area of practice for Company Secretaries. It provides that every company not required to employ a whole-time secretary and having a paid-up share capital of rupees ten lakhs or more shall file with the Registrar a certificate from a Secretary in whole-time practice as to whether the company has complied with all the provisions of the Companies Act and that a copy of such certificate shall be attached with the Board's Report.

The Central Government has notified the Companies (Compliance Certificate) Rules, 2001 prescribing the Form of the certificate, time within which it is to be filed with the Registrar of Companies and the conditions to be complied with by the companies.

In view of the vital importance of this certification work, a series of programmes were organised by the Headquarters as well as Regional Councils and Chapters to discuss the various provisions of the Companies (Amendment) Act, 2000 and also to deliberate upon various intricacies of the compliance certificate.

The newly inserted provision has not only opened up the much awaited core area of practice for Company Secretaries, but has also cast upon them an onerous responsibility and challenge to justify fully the faith and confidence reposed by the Government and trade and industry to measure up to their expectations.

In this context and with a view to equipping members in practice to embark upon this new area of practice with utmost care, the Institute brought out a comprehensive Guidance Note on Compliance Certificate. Released by Hon'ble Union Minister of Law, Justice & Company Affairs and Shipping, Shri Arun Jaitley, this publication sets the parameters for a Secretary in whole-time practice for ensuring compliances in respect of each of the 33 paragraphs contained in the prescribed Form, besides providing guidance on the Compliance Certificate Rules and suggesting a specimen of the Compliance Certificate.

2.2 New Syallabus

To keep the syllabus in tune with the changing times and expectations of trade and industry, the Institute undertook a massive exercise of recasting the syllabus for the course of study to make the same appropriate and relevant for today's business world. The Department of Company Affairs has approved the New Syllabus. The course contents, which have thus got revamped after a gap of seven years, amply address the requirements of policy orientation and global developments manifested in the knowledge based environment, by infusing subjects like information technology and its application to modern day business, contemporary issues in corporate sector, intellectual property, and alternative dispute resolution, etc. so as to proactively prepare the younger generation of Company Secretaries to serve the corporate sector, trade and industry with greater confidence. The new syllabus should enable the Institute to produce a cadre of highly competent professionals capable of coping with future challenges.

2.3 Secretarial Standards

Recognising the need for integration, harmonisation and standardisation of diverse secretarial practices, the Council has constituted the Secretarial Standards Board (SSB) with the objective of formulating Secretarial Standards.

The scope of SSB is to identify the areas in which Secretarial Standards need to be issued by the Council, formulate such Standards, clarify issues arising out of such Standards and issue guidance notes for the benefit of members of the Institute, corporates and other users. In the initial years, the Secretarial Standards will be recommendatory

The SSB formulated a draft for 'Preface to the Secretarial Standards' stating the objectives, scope and functions of SSB and the procedure for issuing Secretarial Standards as well as the compliance requirements thereof, which would form the Preface to every Secretarial Standard issued. It also prepared the draft of the proposed 'Secretarial Standard on Meetings of the Board of Directors'. The Standard lays down a set of procedures which both private and public companies are expected to observe in convening and conducting the meetings of the Board of Directors. These two Standards are expected to be released in 2001-2002.

2.4 Corporate Governance and Company Secretaries

The Institute is constantly engaged in identifying the important role which Company Secretaries can play in developing and furthering the principles and code of corporate governance. Towards this, the Institute made a presentation about the role of Company Secretaries in corporate governance at the workshop organised by the Department of Company Affairs for interaction with the visiting team of Commonwealth Secretariat on November 20-21, 2000 at India International Centre, New Delhi.

2.5 MOU between ICSI, ICAI & ICWAI

At the initiative of the then Secretary of Department of Company Affairs, Dr. P.L. Sanjeev Reddy a historic Memorandum of Understanding (MOU) between the three premier professional bodies in India i.e. ICSI, ICAI and ICWAI was signed by the Presidents of the three Institutes on October 20, 2000.

The MOU seeks to establish synergistic relationship between the three Institutes with a view to further strengthen their collective competencies and help promote the image of their respective professions. The collective competencies of these Institutes would

help to continuously develop and disseminate the best practices towards better governance for meeting business as well as societal needs and expectations.

2.6 Professional Development, Continuing Education And Participative Certificate Programmes

It is through professional development programmes and such other activities, that the Institute seeks to impart continuing education to its Members, to keep them updated in view of the far reaching and frequent changes in matters relating to corporate and business affairs. In furtherance of this objective, ten Professional Development, Continuing Education and Participative Programmes in addition to the 28th National Convention and 5th International Conference of Company Secretaries and 2nd National Conference of Company Secretaries in Practice were held during the year under review. Details of the programmes conducted are given at Appendix 'A'.

2.7 28th National Convention and 5th International Conference

The 28th National Convention and 5th International Conference on the theme Second Generation Reforms and Beyond – An international Perspective was organised on September 8-9-10, 2000 at Kolkata.

The response to the convention was excellent both in terms of the papers received and the overwhelming presence of professionals and experts representing a cross section of policy and decision makers from government, corporate houses, financial and banking institutions, public sector undertakings and academic as well as non-government organisations. The enthusiastic response resulted in congregation of an immense wealth of ideas and perceptions towards taking the reforms process to the second phase and beyond. As a follow up of the Convention, particularly for the benefit of those who could not attend the Convention, the Institute brought out a publication titled Second Generation Reforms and Beyond – An International Perspective containing proceedings of the Convention as well as speeches delivered by dignitaries, pilot papers and presentations made on the subject by the experts. While releasing this book, Shri Arun Jaitley, Hon'ble Minister of Law, Justice & Company Affairs and Shipping, Government of India, lauded the efforts of the Institute in publishing the proceedings in an attractive format.

2.8 Post Membership Qualification

As on 31st March, 2001, 354 members of the Institute were registered for the Post Membership Qualification (PMQ) Course in Capital Market and Financial Services. The Seventh and Eighth examinations of PMQ course were held in June, 2000 and December, 2000 respectively.

2.9 Computerisation and Information Technology

During the year 2000-01, major thrust was given to services through website of the Institute. Networking at Northern India Regional Council of the Institute was provided with the procurement of a new server.

Hardware facilities were also upgraded to meet the emergent needs of different Directorates in the Institute. A new Windows-NT mail server installed at the Headquarters of the Institute to improve the performance of e-mailing system of the Institute and to provide a comparatively effective platform for website maintenance.

In Software development and maintenance, notable achievements during the year were development of most of the software at inhouse. Internet

and Intranet related activities were also strengthened. Basic as well as advanced level computer training was imparted to the staff members.

3. COUNCIL

3.1 President and Vice-President

Delay in the declaration of results of the Council and Regional Council election due to the nation-wide postal strike forced the Institute to advance the election of new President and Vice President. At the 123rd meeting of the Council held on 19.01.2001, Dr. P V S Jagan Mohan Rao from Southern Region and Shri S Gangopadhyay from Eastern Region were elected as President and Vice President respectively for a period of one year from 19.01.2001.

3.2 Council Meetings

Apart from various Committee meetings, the Council held 6 meetings during the year.

3.3 Composition of Committees

The composition of the various standing and non-standing committees, expert groups and advisory boards constituted by the Council is given at Appendix 'B' to the Report.

4. REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

4.1 Regional Councils

The four Regional Councils continued to provide valuable support and assistance to the Council by carrying out their activities and functions with great zeal and enthusiasm. The Regional Councils conducted career fairs, phone-in programmes, seminars and workshops, SMTPs, oral coaching classes, students guidance meetings, study circle meetings and Regional Conferences. They have also been carrying out library updations, publishing news bulletins and providing employment service to members by maintaining a data base, dissemination of information to members, students and selling Institute's publications. Reserves, Surplus and the number of members and students in each Regional Council as on 31st March, 2001 are shown below : -

ITEM	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
General Reserves as on 31 03 2001 (Rs.)	549765	4701027	752969	272405
Financial Position Surplus(+)/Deficit(-) 2000-2001(Rs.)	(-)186888	1101939	236059	472161
Number of Regular Students				
As on 31.03.2001	20147	42565	28387	31925
As on 31.03.2000	23395	50687	32019	35499
% increase / decrease during 2000-2001	(-) 13 88	(-) 16 02	(-) 11.34	(-) 10.07
Number of Foundation Course Students				
As on 31.03.2001	4372	12782	5003	7560
As on 31.03.2000	5690	17751	6493	9179
% increase / decrease during 2000-2001	(-) 23.16	(-) 27.99	(-) 22 95	(-) 17.64
Number of Members				
As on 31.03.2001	1548	3889	3484	4536
As on 31.03.2000	1490	3544	3321	4337
% increase / decrease during 2000-2001	(+) 3.89	(+) 9.73	(+) 4.91	(+) 4.59

4.2 Chapters

During 2000-2001 the Managing Committees of all the 36 Chapters of the Institute were reconstituted in accordance with the Company Secretaries Chapters Guidelines, 1983 (as amended upto 05.05.1998) read with the Company Secretaries Regulations, 1982. The Chapters carried on a number of activities for the oral coaching and training of the students and also organised professional development programmes for members during the year under report.

As on date, the following Chapters have their own office premises : -

Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Cochin, Dombivli, Ghaziabad, Goa, Hyderabad, Indore, Jaipur, Kanpur, Madurai, Mangalore, Pune and Vadodara.

4.3 Best Chapter Awards

The Best Chapter Awards for the year 1999 were presented to the following Chapters at the inaugural function of 28th National Convention held at Kolkata.

National Best Chapter
Hyderabad

Grade-wise Best Chapters

Grade 'A-1'	:	Ahmedabad & Bangalore (joint winners)
'B'	:	Jaipur
'C'	:	Bhubaneswar
'D'	:	Madurai
'E'	:	Guwahati

4.4 Satellite Chapters

As at end of 2000-2001, 19 Satellite Chapters were functioning at the following places.

North Agra, Allahabad, Bareilly, Beawar, Bhilwara, Dehradun, Gurgaon, Jammu, Jodhpur, Meerut, Varanasi and Yamuna Nagar.

South Hubli-Dharwad, Kottayam, Salem, Thrissur and Vijayawada.

West Nasik and Raipur

Dehradun, Jammu and Salem Satellite Chapters were set up in the year 2000-2001.

The Study Material, Research Publications, Chartered Secretary, Student Company Secretary and News Bulletins of all Regional Councils and other publications of the Institute are available with the Satellite Chapters of the Institute.

4.5 CENTRE FOR CORPORATE RESEARCH AND TRAINING(CCRT)

4.5.1 Mission, Vision and Strategy

Within the overall mission and objective of the CCRT, viz., to create and develop on a sustainable basis a core of excellent corporate professionals for corporate excellence and thus contribute to the emergence of India as an economic super power, the Centre adopted the following strategy/ activities during the year:

- Develop professional capability and career prospects of company secretaries, executives and other professionals through higher training, exposure to new/research based knowledge, latest professional practices, distance education, electronic coaching for interactive/ self-learning.

- Serve as a Centre for Corporate Governance/ Excellence to promote develop and disseminate the globally accepted precepts, standards and practices for sustainable corporate culture and excellence.

- Design and conduct Seminars, Workshops and Training Programmes both residential and non-residential, in various streams of corporate sector through modern and advanced methodology.

- Promote original and contemporary applied research for creation and appreciation of new knowledge appropriate for higher learning, policy formulation etc.

- Develop a Directory / Data Bank of researchers, trainers, professionals,

directors and specialised institutions to facilitate quality research, higher learning and corporate governance, etc. leading to corporate excellence both in Government and non-Government corporates/ bodies.

- Collaborate with foreign institutions, publish research papers /literature / consultative papers, and provide professional consultancy and undertake corporate diagnostic studies, field surveys and data base services.

4.5.2 Training Related Activities

The following training programmes were organised in association with WIRC :

1) Secretarial Compliance Certificate
2) National Workshop on Compliance Certificate
3) Brain Storming Meet on Training Needs of Company Secretaries

The Centre associated itself closely with the training programmes organised by other corporate bodies/institutions like Hindustan Lever Ltd., ABB Lenzolm Services Ltd., Indian Oil Tanking Ltd., Willet (I) Pvt. Ltd., Wartsila Ltd., Central Bank of India, Global Trust Bank Ltd., Small Industries Development Bank of India, Stock Holding Corporation of India Ltd., Investors Services of India Ltd., Indian Institute of Industrial Engineering, Maharashtra Centre for Entrapreneurship Development, Bhartiya Vidyapeeth etc.

4.5.3 Conference and Workshops

Some of the significant national level Conferences/Workshops organised during the year were:

- Conference on Corporate Sector Research – 2000: (May 12, 2000)

- Workshop on Corporate Governance Practices in India and Abroad — A Juxtaposition & Lessons for India : (August 20, 2000)

- Workshop on Corporate Excellence through Corporate Governance – Contemporary Practices and Prognosis (December 16, 2000)

4.5.4 Research Related Activities

The Centre has started a number of research projects, some of which are commissioned projects and are under various stages of implementation. Major research proposals include subjects like Competition Policy, Corporate Governance in all its ramifications, Mergers and Acquisitions etc.

In addition CCRT has also prepared a proposal for setting up a Clearing House-cum-Information Centre at an estimated cost of Rs. 130.00 Lacs. This proposal has already been submitted to the Planning Commission and IDBI for possible funding arrangement on consortium basis.

4.5.5 Publications

CCRT has brought out the following publications covering the training related backgrounder and research related compendiums including the Conference/ Workshop background papers, presentations and proceedings.

- Backgrounder on Customs and Central Excise
- Backgrounder on Corporate Risk Management and Insurance
- Backgrounder on Intrapreneurship Development
- Backgrounder on Intrapreneurship - Corporate Success Stories
- Compendium on Corporate Sector Research – 2000
- Corporate Governance Practices in India & Abroad
- Corporate Excellence through Corporate Governance

4.5.6 Library Facility Available at CCRT

The Library has been further modernised and updated to accommodate more books and magazines. Looking to the futuristic needs of the Library and the researchers, the available open almirahs have been covered with glass doors and equipped with necessary furniture, computers, reference and research materials. The Library has a collection of over 2000 books most of which are recently published and of high value in addition to a full fledged Audio-Visual Library supplemented by Internet Surfing Centre, Television and a Xerox Machine. All the books and journals are accessible through a custom-made computerised software package.

5. MEMBERS

5.1 New Admissions

During 2000-2001, 838 and 276 persons were admitted as Associate and Fellow Members respectively. As on 31st March, 2001, the Institute had 13457 members, comprising of 9797 Associates and 3660 Fellows on its Register. The number of members residing abroad as on 31st March, 2001 were 270. The Council regrets to report the death of 23 members during the year under review.

During 2000-2001, Certificate of Practice was issued to 374 members. As on 31st March, 2001, there were 1512 members, holding Certificate of Practice.

5.2 List of Members

In pursuance of Section 19(3) of the Company Secretaries Act, 1980 read with regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982, List of Members as on 1st April, 2000 was published, giving certain additional information such as members' professional / residential addresses, date of birth, telephone numbers, fax numbers, cellular, pager numbers. The list was supplied to members on request. The additional information has been provided in the list essentially to facilitate better communication and interaction amongst members. Region-wise list of the same was brought out on Computer Floppy for use by members and others. Besides List of Members, the Voters List had also been published before the Election of 2000.

5.3 Elections

Elections to the Central Council and the four Regional Councils were conducted successfully in the month of December, 2000 and results notified on 4th, 5th & 6th January, 2001. Twenty five members contested election for the Central Council against total of twelve seats and eighty-two candidates were in the fray against thirty seven seats in four Regional Councils..

Counting of votes was done by a team drawn from the Rajya Sabha Secretariat headed by Shri N S Walia, Under Secretary.

5.4 Amendments to the Company Secretaries Act, 1980 and the Company Secretaries Regulations, 1982

Amendments in the Company Secretaries Regulations, 1982 to give effect to changes in the syllabus and training requirements were submitted to the Central Government for final approval. Amendments have also been proposed in the Company Secretaries Act, 1980 for evolving a common code for the three Institutes i.e. ICSI, ICAI & ICWAI and increase in the membership fees. The amendments in the Act are under active consideration of the Central Government.

6. CHARTERED SECRETARY

Chartered Secretary, the official journal of the Institute being published since 1971 entered its 31st year of publication

with the release of January 2001 issue. The journal continues its mission in providing up-to-date information on matters relating to the areas of operation of Company Secretaries. Rated as one of the best professional journals, it has received appreciation from various quarters, be it industry, trade, commerce and from other professinals for its quality publication of informative articles on contemporary topics, promptly providing Government notifications, legal decisions, etc. During the year under review, special issues on Union Budget (April, 2000), Cyber Laws/ E-Commerce/ IT Special (August, 2000), Practising Company Secretaries Special (November, 2000) and Mutual Funds Special (December, 2000) were brought out which were well received and appreciated in the corporate circle. The Journal also maintains its promptitude and qualitative contents under the guidance and counsel of the reconstituted Editorial Advisory Board.

7. STUDENTS SERVICES

7.1 Registration for Regular Course

Today's students are tomorrow's members in whom the mantle of the profession will pass on. The Institute has always viewed students only in this perspective and strived its best to render the best possible academic and administrative services to them. During the financial year 2000-2001, 16071 students were registered as compared to 18421 students during the previous year. Number of students whose registration was current as on 31.03.2001 was 1,23,024 including 809 students whose registration was extended under Regulation 21(3). Appendix to the Report contains the statistics of the number of registered students as well as those who have completed the Foundation, Intermediate and Final examination.

7.2 Admission to the Foundation Course

For undergraduates in terms of the new education policy of the Government of India, Foundation Course was introduced w.e.f. 20.08.1993. During the year under report, 8315 students were admitted to Foundation Course as against 11121 students admitted during the previous year. There were 1,23,699 students admitted cumulatively as on 31.03.2001. The Foundation examination for the first time was conducted in June, 1994. In the two sessions of Foundation examination held in June and December, 2000 1515 and 839 candidates respectively passed the examination. Number of current Foundation Course students as on 31.03.2001 were 29717.

7.3 Coaching

All the Students admitted to the Foundation Course and registered for the Regular course during the year were enrolled for undergoing Compulsory Postal Tuition and provided with study material. 22,165 coaching completion certificates were issued during the year and all the response sheets received for Foundation, Intermediate and Final course were evaluated and returned to the students.

7.4 Student Company Secretary

The Institute which was the first among the professional Institutes to commence an exclusive news bulletin for the benefit of its students, regularly brings out the monthly bulletin 'Student Company Secretary' providing all academic as well as administrative information required by them for pursuing the Company Secretaryship Course.

7.5 CS Foundation Course Bulletin

For catering to the needs of students admitted to Foundation Course, the Institute regularly publishes and sends bi-monthly CS Foundation Course

Bulletin free of cost to all the current/ active students.

7.6 Licentiate – ICSI

During the period under report 399 Licentiate-ICSI were admitted by the Institute. The number of Licentiate-ICSI whose Licentiateship was valid as on 31.03.2001 was 722.

7.7 Operation of ICSI-ICSA MOU

During the year, our Institute had conducted two sessions of ICSA examinations for its members in June and December, 2000.

During the period under report, 31 members of the Institute have completed the ICSA examinations out of which 16 members have passed with merit and 3 members with distinction. Shri Paritosh Deb was awarded The J F Clark prize for the best paper in 'Corporate Law' in the examination held by ICSA in June, 2000.

7.8 Computerisation of Students Services

Most of the activities relating to the students have since been computerised in the first phase of computerisation. Networking of the Regional and Chapter offices with National Headquarters through computer system will be done in the second phase of the in-house computerisation. All important information pertaining to students services have been put on the Institute's website and these are being constantly updated. The Institute is making extensive use of e-mail system for providing better, efficient and economical services to its students.

8. EXAMINATIONS

8.1 Conduct of Examinations

The Examination Committee of the Council continued its relentless efforts throughout the year to maintain the examination standards. During the year 2000-2001, Company Secretaries Foundation, Intermediate and Final Examinations were held in June and December, 2000 at 51 centres all over the country and at one centre abroad(Dubai). 36,235 and 31,882 students had sought enrollment for appearing in June and December, 2000 sessions of examinations respectively. Number of candidates who have completed the various stages of examinations during 2000-2001 are given below :

Stage of Exam	Examination Session	
	June, 2000	Dec. 2000
Foundation Course	1515	839
Intermediate	1334	1054
Final	599	752

List of examination centres and statistics relating to examination results are given at Appendix 'C' and Appendix 'D' respectively.

8.2 The Institute conducted Post Membership Qualification (PMQ) Examination in June, 2000 and December, 2000 at 8 centres viz. Ahmedabad, Bangalore, Chennai, Delhi, Hyderabad, Kolkata, Mumbai and Pune. Statistics relating to Post Membership Qualification(PMQ) Examination result is given at Appendix 'E'.

8.3 All India Prize Awards

The following students have won the President's All-India Prize Awards for June and December, 2000 examinations.

Course	June, 2000	Centre
Intermediate	Nitin Garg	Kolkata
Final	Syam Sundar Dwarkani	Kolkata

Course	December, 2000	Centre
Intermediate	Ms. Gauri Vijay Bhuleskar	Mumbai
Final	Ms. Sankalita Subhash Kedia	Mumbai

The Pt. Nehru Birth Centenary Annual Prize was won by Shri Shyam Sundar Dwarkani of Kolkata. Particulars of prize winners together with all-India prize schemes and regional prize schemes were published in the Institute's bulletins 'Student Company Secretary' and 'C S Foundation Course Bulletin'.

8.4 Merit Certificates / Merit Scholarships/ Financial Assistance

Merit Certificates were awarded to 25 top rank holders in the Foundation and Intermediate examinations; and 10 top rank holders in the Final examinations held in June and December, 2000 sessions respectively.

Pursuant to Merit Scholarship Scheme, Scholarships were awarded to first top 15 scorers in June and December, 2000 sessions. Like-wise, under the Merit-cum-Means Assistance Scheme, Financial Assistance was granted to eligible candidates.

9. TRAINING

9.1 Power is strength. Success is happiness. To obtain strength and achieve success the essential requirement is Training. In order to give proper orientation about Management/ Apprenticeship Training, the Council of the Institute introduced a Training Orientation Programme (TOP) for students before they commence their Management/ Apprenticeship Training. The first Training Orientation Programme (TOP) was organised by the Northern India Regional Council from 28.08.2000 to 01.09.2000, which was successfully completed by 27 candidates. It has been decided that all the four Regional Councils should conduct such programmes atleast once in six months.

9.2 Empanelment of Companies

During the financial year 2000-2001, 183 companies were empanelled for imparting Management Training and 136 companies were empanelled for imparting Practical Training. The number of Company Secretaries empanelled for imparting Apprenticeship Training during the said period was 80. The total number of companies empanelled as on 31.03.2001 for imparting Management and Practical Training stood at 2066 and 2227 respectively. Similarly, as on 31.03.2001 the total number of Company Secretaries empanelled for imparting Apprenticeship Training was 544. During the financial year, the thrust was not only on widening the list of companies for imparting training, but efforts were also made to improve the quality of training imparted by the companies.

9.3 Imparting Training

During the financial year 2000-2001, 420 students had undergone Management Training, 638 students Practical Training and 140 students Apprenticeship Training.

9.4 Secretarial Modular Training Programme

During the financial year 2000-2001, 28 Secretarial Modular Training Programmes(SMTPs) were conducted by the Regional Councils and Chapters and 963 candidates successfully completed the SMTP.

10. PUBLIC RELATIONS & PLACEMENT

10.1 Public Relations

With a view to creating awareness on the Company Secretaryship Course and increasing the visibility of the profession, the Institute successfully accomplished a number of major image building activities through the print and electronic media, which continued to create brand equity for Company Secretaries during the year 2000-2001.

10.2 TV/ AIR Programmes on C S

Innumerable Phone-in-Programmes on Company Secretaryship course were telecast/ broadcast on Doordarshan/All India Radio throughout the year. Various interview based discussions on the profession of Company Secretaries were aired on Star Plus, Jain TV, Punjabi Tara and News Channel of Doordarshan, thus providing massive publicity to the CS course all over India.

10.3 Career Features in Newspapers

With a view to apprise the students on the CS course, Career Features in several newspapers were organised to be published as coloured full paged articles in various editions of leading National dailies including Hindustan Times, Rashtriya Sahara, Sunday Observer, Amar Ujala, Navbharat Times, Indian Express, Statesman, Pioneer, etc.

10.4 Press Releases

A number of Press Releases on the profession were extensively published in various newspapers during the year under review. Cut-off dates for the Foundation and Intermediate examination received massive coverage in major educational newspaper supplements throughout the year. The CS Results were published on all India basis (twice during the year). The Pre and Post Budget reactions of the Institute were covered both by the print and electronic media (Doordarshan and JAIN TV). Executive Development Programme on 'Restructuring of Public Sector Enterprises' received wide publicity alongwith photographs in Economic Times, Financial Express, Hindu, Observer, National Herald (front page), Dainik Hindustan and Amar Ujala on 20th July, 2000. The Seminar was also covered by Doordarshan, Jain TV and Siti Cable. National Seminar on Companies (Amendment) Act received massive coverage in leading newspapers on 31st December, 2000 and 1st January, 2001. The inaugural proceedings were telecast on DD-I and DD International.

10.5 Press Conferences

Publicity Kits alongwith Press Releases were sent to various Regional / Chapter offices throughout the year for all India Press Conferences. With a view to publicise the 28th National Convention and 5th International Conference of Company Secretaries, a Press Conference was organised on 7th September, 2000. The Press Conference addressed by the President received wide publicity not only in Kolkata but all over the Country. The Press Meet was covered by Siti Cable and AIR. The National Convention also received massive coverage both in print and electronic media at Kolkata and New Delhi. A full page 'Newspaper Supplement was also published in Business Standard (Kolkata Edition) on 8th September, 2000.

10.6 Career Fairs

The Institute participated in 'Career Options 2001' on 2nd, 3rd and 4th March, 2001 in New Delhi. This Career Fair was organised by the Centre for Management Services of All India Management Association. Information was imparted by the Institute to nearly 2500 students who visited the ICSI stall wherein C S study material, posters and informative panels were on display. ICSI Corporate film was screened round the clock during all the three days of Career Fair.

10.7 Press Interviews

As in the past, the Institute continued to increase nationwide awareness about the CS Course among the student community and greater acceptability of the profession of Company Secretaries among the trade, industry and corporate

sector. Major Press Interviews of the President and the Secretary published in several editions of the leading newspapers include Hindustan Times, Dainik Hindustan, Times of India, Economic Times, Business Standard, etc.

10.8 Placement

Press & TV Interviews focussing on the Placement of Company Secretaries as Business Managers and Corporate Development Planners were organised from time to time. At the Press Conferences, more emphasis was laid on utility of Company Secretaries so as to increase the marketability of the profession. A 'Job Fair' for spot selection of Company Secretaries was organised on 22nd May, 2000 at New Delhi. Five employer organisations participated in the Fair. Members were interviewed for suitable placement. Regular updation of bio-data received from members by post/ in person was made in the standard computerised format. Bio-data of the members as well as vacancies for Company Secretaries were regularly displayed on the ICSI Website. The placement module on the website provides on line help to the companies in searching a suitable Company Secretary for them and also provides free facility to feed their requirements to publish the same through the web. A majority of the Members and employers availed this facility to their satisfaction.

Region-wise data bank of members was maintained by the Placement Cell on the basis of years of experience. In response to requests from (i) Prospective employers (ii) newspaper advertisements and (iii) Placement consultants, resumes of members registered for employment were forwarded by the Institute for suitable placement throughout the year. Members seeking information on employment opportunities were regularly apprised on the available vacancies in MNCs and Private Sector. Several Members were selected on being suitably sponsored by the Placement Cell.

11. FINANCES

11.1 Surplus

Transfer of surplus of income over expenditure to General Reserve has been made for Rs.43.66 Lacs in the year under review as compared to Rs.59.20 Lacs transferred in the previous year of 1999-2000.

11.2 Reserves

(a) Capital Reserve

Capital Reserve to which the entrance fee received from members is capitalised stood at Rs.58.18 Lacs as on 31st March, 2001 as against Rs.55.12 Lacs as on 31st March, 2000.

(b) General Reserve

The General Reserve which stood at Rs.2120.55 Lacs as on 31st March, 2000 has risen to Rs.2164.24 Lacs as on 31st March, 2001.

11.3 Statutory Auditors

M/s. Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were re-appointed as Statutory Auditors of the Institute for the year ended 31st March, 2001 pursuant to the requirement of Section 18(4) of the Company Secretaries Act, 1980. The Audit Report is published along with the statement of accounts.

12. LAND AND BUILDINGS

12.1 ICSI-EIRC Building

The ICSI-EIRC Building at 3-A, Ahiripukur, 1st Lane, Kolkata – 700 019,

which had been purchased and taken possession of in October, 1999 was inaugurated after necessary renovation jobs, by Hon'ble Speaker of the West Bengal Legislative Assembly – Hasim Abdul Hakim on 22nd December, 2000. An amount of Rs.174.62 Lacs was spent for acquiring the office premises having a covered area of approx. 10,000 Sq. Ft.

12.2 New Building at Noida

Construction of ICSI's new building in Sector 62, Phase-II, Noida had been completed at a cost of Rs. 160.42 Lacs and the Headquarters shifted its two key/ major departments in the new premises thereby the pressure of space in the Headquarters has been reduced. The Institute vacated all the three office premises, which it had taken on rent in and around Delhi after completion of construction of this building. Total constructed area of the building is approx. 20,000 Sq. Ft.

12.3 Faridabad Chapter Land

Vigorous efforts are being made to get possession of the alternate plot allotted by HUDA to Faridabad Chapter.

13. CAPITAL GRANT AND LOAN TO THE REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

Total grant and loan given by the Institute to the Regional Councils and Chapters for acquiring their own office premises as on 31st March, 2001 are as follows :

(a) Grant : Rs.112.34 Lacs
(b) Loan : Rs.238.24 Lacs

The endeavour of the Institute has been to extend a major helping hand and supplement the Regional Councils and Chapters in their efforts to acquire premises. A number of Regional Councils and Chapters have made commendable efforts to raise their share of the resources for premises/ building projects. The Council places on record its appreciation of such efforts by these Regional Councils/Chapters.

14. COMPANY SECRETARIES BENEVOLENT FUND(CSBF)

The CSBF had a life membership of 3522 as on 31st March, 2001. The membership has shown a gradual increase over the years. Capital Reserve and General Reserve of the CSBF as on 31st March, 2001 stood at Rs.96.64 Lacs and Rs.36.34 Lacs respectively.

15. HRD INITIATIVES

15.1 Upgradation of Skills

Providing efficient services to the members, students and other clients in the most competitive business world today, is a must for survival and growth of any educational organisation. The ICSI Management is fully conscious of this and believes firmly that human resource at micro level plays a significant role in rendering excellent professional services to various segments in the Corporate Sector.

Keeping this in view, all possible efforts have been made to develop human resources in different facets of management systems like General Management, Information Technology, Organisational Behaviour including inter personal skills, etc. To upgrade their knowledge and to equip them with technical skills and understanding of innovative emerging trends in technology upgradation and adaptation, officers and staff were nominated to a number of Human Resource Development Programmes conducted by various external organisations apart from giving them in-house training in the area of Information technology.

15.2 Employee Relations and Welfare

For rendering excellent professional services to members, students and other clients, maintenance of

harmonious relations between employer and employees is an essential ingredient of cordial industrial relations. Considering it a paramount need of the day cordial relationship was maintained with the ICSI Employees Union. Apart from this to generate a sense of fellow-feeling and promote culture of mutual understanding and co-operation, various welfare activities were undertaken by the ICSI Employees Club, the ICSI Employees Thrift and Credit Society and the ICSI Employees Benevolent Fund. As a result all the employees including the ICSI Employees Union extended their best co-operation in promoting the culture of mutual understanding and maintaining harmonious industrial relations.

16. FUTURE OUTLOOK

The path of transition of Company Secretary being considered as a ministerial clerk a century ago to his present position as corporate conscience keeper, think tank and watch dog, has indeed been rough and difficult. The long and arduous journey has been one of both agony and ecstasy as well as trials and tribulations. Today our members have found acceptance as members of Corporate Boards, CEOs, Managing Directors, Heads of Departments and as integrated corporate managers by virtue of training, knowledge and exposures. Tomorrow is always brighter than today. Professionals, to get going, have to constantly function with this optimistic feeling only. Particularly in the context of expected unification of Corporate Professionals the world over, entry of foreign firms providing integrated services to corporates and other business entrepreneurs, company secretaries have to rededicate themselves entirely to the cause of the profession. Besides exhibiting the highest ethical standards and professional skills, they have to be socially responsible too. No amount of statutory protection or support or recognition would be able to get the desired result and bring about the distinct identity as the indispensable corporate professional, as voluntary acceptance from the corporates and other business entities would bring. Towards this, all of us have an onerous responsibility to strengthen adequately the practice side of the profession which alone would give the enduring strength to the profession in the long run. Senior members in particular have to work with positive mind towards this direction. Each one of us have to set targets and goals and also constantly evaluate the strength, weakness, opportunities and threats. We have all to join hands and strengthen the profession to build a better and stronger corporate sector for the tomorrow.

17. ACKNOWLEDGEMENTS

The Council places on record its gratitude to Ministries and Offices of the Central Government, particularly the Department of Company Affairs and SEBI, and other regulatory authorities for their help, guidance and support to the development of the profession and the activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, Financial/ Industrial / Investment Institutions/ Corporate Sector in general and various Chambers of Commerce, Trade Associations and other Agencies in availing of the services of members of the Institute and in recognising their expertise.

The Council also places on record its deep appreciation to the members of the Secretarial Standards Board and Core Groups of the Institute. The Council places on record its thanks to Regional Councils and Chapters, including Satellite Chapters for extending their whole-hearted co-operation and assistance and also to the Officers and Staff of the Institute for their unique commitment and devotion to their duties.

For and on behalf of the Council

New Delhi Dr. P. V. S. JAGAN MOHAN RAO, President

Date : 30-08-2001 [ADVT 3/4/121/2001/Exty.]

APPENDIX 'A'

PROFESSIONAL DEVELOPMENT & CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES(ANNEXURE TO POINT NO. 2.6)

1. One day programme on Enterprise Resource Planning jointly organised with EREDCI, Noida at New Delhi on April 1, 2000.

2. Two day Executive Development Programme on Restructuring of Public Sector Enterprises – Issues, Reforms and Perspective jointly with DPE at Hyderabad during April 19-20, 2000

3. One day programme on Derivatives at New Delhi on June 10, 2000

4. Seminar on SEBI (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 at Hyderabad on June 24, 2000.

5. Two-day Participative Certificate Programme on Risk Management and Insurance jointly with Oriental Staff Training College, Faridabad at New Delhi during June 29-30, 2000

6. Two-day Executive Development Programme on Restructuring of Public Sector Enterprises- Issues, Reforms and Perspective in collaboration with DPE at New Delhi during June 19-20, 2000

7. National Seminar on Corporate and Economic Laws Updates at Bangalore on August 23, 2000

8. One-day Programme on E-Commerce jointly with SCOPE at New Delhi on October 11, 2000

9. Programme on Insurance through teleconference at Ahmedabad, Bangalore, Calcutta, Hyderabad, Pune and New Delhi on December 29, 2000

10. National Seminar on Companies (Amendment) Act, 2000 at New Delhi on December 30, 2000

APPENDIX 'B'

COMMITTEES, EXPERT GROUPS AND ADVISORY BOARDS (ANNEXURE TO POINT NO. 3.3)

STANDING COMMITTEES

1. Disciplinary Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
A Ramaswamy	Member
Harish K Vaid	Member

2. Examination Committee

S Gangopadhyay, Vice President	Chairman
Girish Ahuja	Member
Keyoor M Bakshi	Member

3. Executive Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
S Gangopadhyay, Vice President	Member
A Ramaswamy	Member
R Narayanan	Member
Pavan Kumar Vijay	Member

OTHER COMMITTEES

4. Professional Development Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
Hemant I Bhatt	Member
H M Choraria	Member
G Gehani	Member
R Ravi	Member
V Sreedharan	Member
Harish K Vaid	Member

5. Committee for Company Secretaries in Practice

V Sreedharan	Chairman
Mahesh A Athavale	Member
Keyoor M Bakshi	Member
Hemant I Bhatt	Member
H M Choraria	Member
Harish K. Vaid	Member

6. Training and Education Facilities Committee

S Gangopadhyay, Vice President	Chairman
Mahesh A Athavale	Member
Hemant I Bhatt	Member
H M Choraria	Member
G Gehani	Member
R Ravi	Member
Pavan Kumar Vijay	Member

7. Regulations Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
R Narayanan	Member
Pallavi Shroff (Mrs.)	Member
Harish K Vaid	Member

8. Co-ordination Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
S Gangopadhyay	Member
Girish Ahuja	Member
Yamal Ashwin Kumar Vyas	Member

9. Publication Committee

Yamal Ashwin Kumar Das	Chairman
Mahesh A Athavale	Member
Pallavi Shroff(Ms.)	Member

10. PMQ Course Committee

S Gangopadhyay, Vice President	Chairman
Girish Ahuja	Member
Keyoor M Bakshi	Member

11. Placement Committee

Harish K Vaid	Chairman
G Gehani	Member
R Ravi	Member

12. CCRT Management Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
S Gangopadhyay, Vice President	Member
A Ramaswamy	Member
R Narayanan	Member
Pavan Kumar Vijay	Member
Keyoor M. Bakshi	Member

13. Computer Committee

Pavan Kumar Vijay	Chairman
Keyoor M Bakshi	Member
Yamal Ashwin Kumar Vyas	Member

14. Research Committee

Dr. P V S Jagan Mohan Rao, President	Chairman
Pallavi Shroff(Mrs.)	Member
V Sreedharan	Member
Yamal Ashwin Kumar Vyas	Member

15. Editorial Advisory Board

S Balasubramanian	Chairman
B S Bhandari	Member
V K Bhasin	Member
G R Bhatia	Member
B D Bishnoi	Member
Renu Budhiraja	Member
G Gehani	Member
Balbir Kaur	Member
U C Nahata	Member
Prof. R S Nigam	Member
Kalyan M Raipuria	Member
T R Rustagi	Member
U K Sinha	Member
Dr. S P Narang	Editor Publisher

APPENDIX 'C'

LIST OF EXAMINATION CENTRES DURING THE YEAR 2000-2001 (ANNEXURE TO POINT NO. 8.1)

1. Agra
2. Ahmedabad
3. Allahabad
4. Ambala City
5. Bangalore
6. Baroda
7. Bhopal
8. Bhubaneswar
9. Chandigarh
10. Chennai
11. Coimbatore
12. Delhi(East)
13. Delhi (North)
14. Delhi(South)
15. Delhi(West)
16. Ernakulam
17. Ghaziabad
18. Guwahati
19. Hyderabad
20. Indore
21. Jaipur
22. Jammu
23. Jamshedpur
24. Jodhpur
25. Kanpur
26. Kolkata
27. Lucknow
28. Ludhiana
29. Madurai
30. Mangalore
31. Meerut
32. Mumbai (CG)
33. Mumbai (GKT)
34. Mumbai(JOG)
35. Mysore
36. Nagpur
37. Noida
38. Panaji
39. Patna
40. Pondicherry
41. Pune
42. Raipur
43. Rajkot
44. Ranchi
45. Shimla
46. Thiruvananthapuram
47. Tiruchirapalli
48. Udaipur
49. Vijayawada
50. Visakhapatnam
51. Yamuna Nagar
52. Overseas Centre – Dubai

APPENDIX 'D'

STATISTICS ON EXAMINATION RESULTS
(ANNEXURE TO POINT NO. 8.1)

JUNE, 2000 SESSION

STAGE OF EXAMINATION	NUMBER OF CANDIDATES			PASS %AGE
	ENROLLED	APPEARED	PASSED	
FOUNDATION	6136	4934	1515	30.71
INTERMEDIATE*				
- GROUP – I	13874	9040	1322	14.62
- GROUP- II	13477	8798	1527	17.36
FINAL #				
- GROUP - I	3773	2735	709	25.92
- GROUP – II	4898	3528	716	20.29

* 2133 Candidates appeared for Intermediate in Both Groups out of whom 115 candidates passed Both Groups (7.27%)

\# 844 Candidates appeared for Final in Both Groups out of whom 91 candidates passed both Groups (10.78%)

DECEMBER, 2000 SESSION

STAGE OF EXAMINATION	NUMBER OF CANDIDATES			PASS %AGE
	ENROLLED	APPEARED	PASSED	
FOUNDATION	4356	3547	837	23.60
INTERMEDIATE*				
- GROUP – I	12640	7967	1137	14.27
- GROUP- II	11508	7380	1008	13.66
FINAL #				
- GROUP - I	4253	3098	1145	36.96
- GROUP – II	5273	3766	716	19.01

* 2048 Candidates appeared for Intermediate in Both Groups out of whom 116 candidates passed Both Groups (5.66%)

\# 939 Candidates appeared for Final in Both Groups out of whom 130 candidates passed both Groups (13.84%)

APPENDIX 'E'

POST MEMBERSHIP QUALIFICATION(PMQ) EXAMINATION RESULTS
(ANNEXURE TO POINT NO. 8.2)

JUNE, 2000 SESSION

STAGE OF EXAMINATION	NUMBER OF CANDIDATES			PASS %AGE
	ENROLLED	APPEARED	PASSED	
PMQ – GROUP – I	15	4	0	0.00
PMQ – GROUP – II	09	4	0	0.00

5 Candidates enrolled for Both Groups out of whom none of the candidates appeared in both Groups.

DECEMBER, 2000 SESSION

STAGE OF EXAMINATION	NUMBER OF CANDIDATES			PASS %AGE
	ENROLLED	APPEARED	PASSED	
PMQ – GROUP – I	12	4	0	0.00
PMQ – GROUP – II	03	1	0	0.00

3 candidates enrolled for Both Groups out of whom 1candidate appeared in both Groups.

KHANNA & ANNADHANAM

CHARTERED ACCOUNTANTS
3/7-B, Asaf Ali Road
New Delhi – 110 002

AUDIT REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of The Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 2001and also the Annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date and report that: -

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

(b) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books account; and

(c) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account drawn up comply with the mandatory accounting standards to the extent they are applicable.

(d) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements read with notes and accounting policies attached thereto or appearing thereon, give true and fair view:-

(i) in the case of Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, 2001; and
(ii) in the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

Place: New Delhi
Date : 30.08.2001

(K A BALASUBRAMANIAN)
Partner

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA
BALANCE SHEET

PARTICULARS	SCHEDULE	As at 31st March 2001 Rs.	2001 Rs.	2000 Rs.
SOURCES OF FUNDS				
Capital Reserve	1		5,818,270	5,511,870
General Reserve	2		216,423,643	212,054,663
Scientific Research Reserve	3		-	-
Hospitalisation Fund	4		-	-
TOTAL			**222,241,913**	**217,566,533**
APPLICATION OF FUNDS				
Fixed Assets	5			
Gross Block		146,362,798		124,695,964
Less : Depreciation		40,884,920		31,993,056
Net Block		105,477,878		92,702,908
Add : Advance for purchase of Land and Buildings under construction		1,295,878		16,401,132
			106,773,756	109,104,040
Investments	6		111,329,474	94,345,632
Current Assets, Loans and Advances				
Current Assets	7			
Interest accrued on investments		6,443,697		7,223,744
Stocks in hand		4,632,497		5,308,577
Sundry Debtors		787,505		777,495
Cash and Bank balances		30,638,429		40,331,763
		42,502,128		53,641,579
Loans and Advances	8	23,083,947		26,125,724
		65,586,075		79,767,303
Less: Current Liabilities and Provisions	9			
Liabilities		29,134,095		33,618,522
Provisions		32,313,297		32,031,920
		61,447,392		65,650,442
Net Current Assets			4,138,683	14,116,861
TOTAL			**222,241,913**	**217,566,533**
ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS	15			

As per our report of even date

For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.A. Balasubramanian)
Partner

Place : New Delhi
Dated : 30.08.2001

For and on behalf of the Council

Dr. S.P. Narang	S .Gangopadhyay	Dr. P.V.S. Jagan Mohan Rao
Secretary	Vice-President	President

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

PARTICULARS	SCHEDULE	For the year ended 31st March 2001 Rs.	2000 Rs.
INCOME			
Fees from Members and Students	10	79,258,745	88,392,295
Sale of Publications		7,813,993	8,004,841
Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements		*2,844,849	2,189,899
Interest on Investments (Gross) (Tax deducted at source 'Nil')		17,500,288	18,563,572
Income from Programmes		3,226,250	4,346,741
Scientific Research Activities (CCRT)		7,312,710	2,261,624
Provision no longer required, written back		5,029,108	653,421
Others	11	740,037	846,121
TOTAL		**123,725,980**	**125,258,514**
EXPENDITURE			
Establishment *	12	37,976,665	36,951,162
Postal Tuition		7,194,740	9,146,654
Publications and Office Stationery *		2,951,230	2,551,131
Journal and Bulletins		6,934,609	6,821,820
Examinations		9,346,540	10,073,611
Communication *	13	3,451,475	3,325,661
Grant to Regional Councils and Chapters		3,600,632	4,198,253
Regional Offices		674,993	1,129,495
Travelling and Conveyance *		3,142,945	2,967,975
Student Scholarships and Awards		179,002	98,123
Professional Development Programmes and Training **		3,841,010	4,590,184
Scientific Research Activities (incl. CCRT)		17,466,953	11,402,541
Others *	14	8,409,393	9,297,497
Depreciation	5	5,944,572	5,577,687
Election		1,102,248	-
Contribution to Hospitalisation Trust		1,000,000	500,000
Provision for Voluntary Retirement Scheme		2,500,000	5,000,000
Provision for leave encashment		1,771,000	5,656,568
Provision for shortfall in the value of investments		1,872,113	50,039
		119,360,120	119,338,401
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		4,365,860	5,920,113
TOTAL		**123,725,980**	**125,258,514**

* figures are after allocation to Scientific Research Activities

** includes Rs.NIL (Previous Year Rs.4,02,000) allocated to EIRC

As per our report of even date
for KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.A. Balasubramanian)
Partner

Place: New Delhi
Dated: 30.08.2001

For and on behalf of the Council

Dr. S.P. Narang — **Secretary**
S.Gangopadhyay — **Vice-President**
Dr. P.V.S. Jagan Mohan Rao — **President**

CAPITAL RESERVE *SCHEDULE 1*

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.3.2001		31.3.2000
As per last Balance Sheet		5,511,870	5,274,370
Add: Entrance Fees - Associate Members	251,400		192,300
- Fellow Members	55,000		45,200
		306,400	237,500
TOTAL		**5,818,270**	**5,511,870**

GENERAL RESERVE *SCHEDULE 2*

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.3.2001		31.3.2000
As per last Balance Sheet		212,054,663	182,390,264
Add: - Contribution from Regional Councils/ Chapters for Land/ Buildings	1,120		15,961,570
- Direct donations	2,000		-
- Transfer from Income and Expenditure Account	4,365,860		5,920,113
- Transfer from Scientific Research Project Reserve on completion of the CCRT Project	-		7,782,716
		4,368,980	
TOTAL		**216,423,643**	**212,054,663**

SCIENTIFIC RESEARCH PROJECT (CCRT) RESERVE *SCHEDULE 3*

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.3.2001		31.3.2000
As per last Balance Sheet		-	6,132,690
Add: - Donations/ Contributions received			29,102,039
- Interest on earmarked funds	-		17,000
	-	-	35,251,729
Less: - Contributions from ICSI to WIRC adjusted against Loans/Advances (per contra - Schedule 8)	-		27,469,013
- Transfer to General Reserve on completion of the CCRT Project	-		7,782,716
		-	35,251,729
TOTAL		-	-

HOSPITALISATION FUND *SCHEDULE 4*

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.3.2001		31.3.2000
As per last Balance Sheet			8,386,000
Add: - Interest earned on deposits	-		-
- Transfer from Income & Expenditure Account	-	-	-
		-	8,386,000
Less: Transfer to the ICSI Employees Hospitalisation Trust			8,386,000
TOTAL		-	-

SCHEDULE 6

INVESTMENTS - AT COST

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	AS ON 31.3.2000	ADDITIONS	DELETIONS	AS ON 31.3.2001
(A) Fixed Deposits with Public Sector Undertakings				
- Steel Authority of India Ltd. (13.5%-14 5%)	12,900,000	-	12,900,000	-
- Minerals & Metals Trading Corporation (14 5%-15%)	5,500,000	-	5,500,000	-
- Housing and Urban Development Corporation (12-12 5%)	14,000,000	-	-	14,000,000
- Housing and Urban Development Corporation (12%)	50,000	-	-	50,000 *
Total (A)	**32,450,000**	**-**	**18,400,000**	**14,050,000**
(B) Bonds of Banks/Public Sector Undertakings/Financial Institutions				
6000 (Previous Year 6000), 14 5% Bonds of Rs 1000 each of State Bank of India	5,757,500	-	-	5,757,500
NIl (Previous Year 9000), 17% Bonds of Rs 1000 each of National Hydro Power Corporation Ltd	-	-		-
25 (Previous Year 45), 16 75% Bonds of Rs 1 lac each of Steel Authority of India Limited	4,500,000	-	2,000,000	2,500,000
200 (Previous Year 200), Zero Coupon Bonds of Rs.1 lac each of Industrial Development Bank of India	18,244,045		18,244,045	-
600 (Previous Year NIl), 14% Bonds of Rs 10000 each of Industrial Development Bank of India	6,000,000	-	-	6,000,000
800 (Previous Year NIL), 14% Bonds of Rs.5000 each of Industrial Development Bank of India	4,000,000	-	-	4,000,000
260 (Previous Year NIL), 12 75% Bonds of Rs 5000 each of Industrial Development Bank of India	1,300,000	-	1,300,000	-
25 (Previous Year NIL), 12% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Development Bank of India	-	2,500,000	-	2,500,000
30 (Previous Year NIL), 12% Bonds of Rs.1 lac each of Industrial Development Bank of India	-	3,000,000	-	3,000,000
85 (Previous Year NIL), 12% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Development Bank of India	-	8,500,000	-	8,500,000
800 (Previous Year 800), 15 5% Bonds of Rs 5000 each of Industrial Finance Corpn of India	4,000,000	-	-	4,000,000
1000 (Previous Year NIl), 13.5% Bonds of Rs.5000 each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	5,000,000	-	-	5,000,000
89 (Previous Year 89), 15 5% Bonds of Rs 10,000 each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	890,000	-	-	890 000
200 (Previous Year 200), 16% Bonds of Rs.5,000 each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd (erstwhile Shipping Credit & Inv. Corpn. of India Ltd)	1,000,000	-	-	1 000.000
1000 (Previous Year NIL), 12 1% Bonds of Rs 5000 each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	5,000,000		-	5,000 000
10 (Previous Year NIL), 12.2% Bonds of Rs.1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	-	1,000,000	-	1,000,000

2825/GI/07-8

SCHEDULE 5

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS ON 31.3.2001

(Amount in Rs.)

SL No.	Items	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		Cost as on 1.4.2000	Additions	Deletions	Total cost as on 31.3.2001	Total as on 1.4.2000	For the Year	Deletions	Total as on 31.3.2001	as on 31.3.2001	as on 31.3.2000
1.	Leasehold Land	10.474,486	-	-	10.474,486	-	-	-	-	10.474,486	10.474.486
2.	Buildings	74,996,129	16.690,381	-	91,686.510	13,156.971	3,927.428	-	17.084.399	74.602.111	61.839,158
3	Furniture & Fixtures	11,371,970	2,128,954	-	13,500.924	3,181.256	1,314.728	-	4,495,984	9.004,940	8,190,714
4	Computer Network	12,255,139	1,378,609	-	13,633.748	8,456.225	2.104.958	-	10,561,183	3,072,565	3,798,914
5	A.C Installation and Coolers	4,697,464	70.087	37,236	4,730.315	1,600,899	475,866	23.194	2,053,571	2,676,744	3.096,565
6	Electrical Equipment	2,807,290	94.399	-	2,901.689	1.155,698	279.285	-	1,434.983	1.466,706	1.651,592
7	Office Machines and Communication Equipment	4,620,237	1.108.017	124,239	5,604.015	2,268,018	521,054	55,054	2.734,018	2,869,997	2,352.219
8	Other Equipment	589,351	357.858	-	947,209	168,018	119.683	-	287.701	659.508	421,333
9.	Library Books	2,239,082	-	-	2,239,082	1,852,584	128.820	-	1,981,404	257.678	386,498
10	Vehicles	644,820	-	-	644,820	153,391	98.286	-	251,677	393.143	491,429
	Current Year Total	**124,695,968**	**21,828,305**	**161,475**	**146,362,798**	**31,993,060**	**8,970,108**	**78,248**	**40,884,920**	**105,477,878**	**92,702,908**
	Previous Year Total	*70,245,184*	*55,308,370*	*857,586*	124.695,968	*23,911,675*	*8,529,363*	*447,978*	*31,993,060*	*92,702,908*	
	Capital Advances for										
1.	Land (Refer Note No 2 of financial notes)	300.000	-	-	300.000	-	-	-	-	300,000	300,000
2	Buildings (under construction)	16.101.132	677,257	15.782,511	995,878	-	-	-	-	995,878	16.101.132
3	Others	-	1.685.121	1,685.121	-	-	-	-	-	-	-
	Current Year Total	**16,401,132**	**2,362,378**	**17,467,632**	**1,295,878**	-	-	-	-	**1,295,878**	**16,401,132**
	Previous Year Total	*36,727,694*	*13,427,659*	*33,754,221*	*16,401,132*	-	-	-	-	*16,401,132*	-

Note Depreciation on all assets relating to CCRT amounting to Rs 30.25.535 out of total depreciation of Rs.89.70.108 has been debited to Scietific Research Activities Expenses

8 (Previous Year NIL), 12.05% Bonds of Rs.1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	-	800,000	-	800,000
20 (Previous Year NIL), 12 15% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn. of India Ltd.	-	2,000,000	-	2,000,000
60 (Previous Year NIL), 12.1% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	-	6,000,000	-	6,000,000
20 (Previous Year NIL), 12 1% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	-	2,000,000	-	2,000,000
30 (Previous Year NIL), 12% Bonds of Rs.1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	-	3,000,000	-	3,000,000
100 (Previous Year NIL), 12% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn. of India Ltd	-	10,000,000	-	10,000,000
200 (Previous Year NIL), 12.2% Bonds of Rs 1 lac each of Industrial Credit and Investment Corpn of India Ltd	-	20,000,000	-	20,000,000
1000 (Previous Year 1,000), 16 5% Bonds of Rs 1,000 each of Indian Railway Finance Corporation Ltd	980,000	-	-	980,000
Total (B)	**56,671,545**	**58,800,000**	**21,544,045**	**93,927,500**
(C) Units (under US-64 Scheme) of the Unit Trust of India				
- 345983 Units (Previous Year 345983)	5,621,129	-	-	5,621,129
- 10610 Units (Previous Year 10610)	153,578	-	-	153,578 *
	5,774,707	-	-	5,774,707 @
Less. Provision for fall in the value of Units (Refer to Note No 3)	(550,620)	-	(1,872,113)	(2,422,733)
Total (C)	**5,224,087**	**-**	**(1,872,113)**	**3,351,974**
GRAND TOTAL (A+B+C)	**94,345,632**	**58,800,000**	**38,071,932**	**111,329,474**

* earmarked for Prize Awards (per contra - Schedule 9)

@ re-purchase price of Units under US-64 Scheme of Unit Trust of India as on 31 3 2001 was Rs.49,92,302

CURRENT ASSETS			SCHEDULE 7 (Amount in Rs.)
PARTICULARS	**31.3.2001**		**31.3.2000**
Interest Accrued on Investments		**6,443,697**	**7,223,744**
Stock (valued, taken and certified by the Management)			
Publications	76,588		283,339
Paper	3,865,468		4,243,224
Study Material	96,061		234,945
Others	594,380		547,069
		4,632,497	**5,308,577**
Sundry Debtors (Unsecured)			
Outstanding for more than six months			
- considered good	616,185		95,652
- considered doubtful	-		63,515
	616,185		159,167
Others (considered good)	171,320		681,843
	787,505		841,010
Less: Provision for Bad & Doubtful Debts	-		63,515
		787,505	**777,495**
Cash and Bank Balances			
Cash, Cheques/ Drafts/Postal Orders,			
Postage Stamps/ Franking units	473,108		428,575
With Scheduled Banks			
Savings Bank accounts	5,953,396		4,933,253
Short/Long Term Deposits			
{ including Rs.12,177 (Previous Year Rs.6,677)			
for Prize Awards (per contra - Schedule 9) }	19,512,177		26,907,019
Interest accrued on Term Deposits	4,699,748		8,062,916
		30,638,429	**40,331,763**
TOTAL		**42,502,128**	**53,641,579**

LOANS AND ADVANCES			SCHEDULE 8 (Amount in Rs.)
PARTICULARS	**31.3.2001**		**31.3.2000**
Loans			
Regional Councils/Chapters for buildings		18,327,671	46,561,795
Advances.			
Employees (including interest accrued thereon)	3,042,292		3,921,532
Regional Councils/ Chapters	-		487,943
Others	752,671		1,016,983
		3,794,963	5,426,458
Prepaid Expenses		362,464	363,854
Sundry Deposits		598,849	1,242,630
		23,083,947	**53,594,737**
Less: Contribution from ICSI to WIRC adjusted to Scientific Research Project (per contra - Schedule 3)		-	27,469,013
TOTAL		**23,083,947**	**26,125,724**

CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

SCHEDULE 9

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.3.2001		31.3.2000
Liabilities			
Received in Advance			
- Student Registration Fee	18,760,180		22,153,540
- Others	295,831		97,609
Payable to Regional Councils/ Chapters	3,795,913		2,132,100
Sundry Creditors	618,731		1,413,369
Expense Payable	905,027		3,561,236
Benevolent Funds			
- Company Secretaries	184,264		2,195,236
- Employees	94,846		593,970
Endowment for prize awards (per contra - Schedules 6 & 7)	232,255		215,755
Trusts	4,247,048		1,255,707
		29,134,095	**33,618,522**
Provisions			
Other benefits to be extended as per recommendations of 5th Pay Commision	2,108,733		2,108,733
Voluntary Retirement Scheme	17,500,000		15,000,000
Leave encashment	6,803,492		6,598,168
Write-off of Assets	538,353		538,353
Property Tax	370,848		4,653,291
Others	4,991,871		3,133,375
		32,313,297	**32,031,920**
TOTAL		**61,447,392**	**65,650,442**

FEES FROM MEMBERS AND STUDENTS

SCHEDULE 10

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH		
	2001		2000
Members			
Annual Fees	3,581,598		3,467,025
Other Fees	21,550		18,550
		3,603,148	**3,485,575**
Students			
Registration Fees	15,134,210		16,838,815
Exemption Fees	1,730,943		2,281,611
Postal Tuition Fees	31,937,359		39,907,522
Examination Fees	26,245,025		25,170,967
Licentiate Fees	158,165		160,250
Others (including PMQ)	449,895		547,555
		75,655,597	**84,906,720**
TOTAL		**79,258,745**	**88,392,295**

OTHER INCOMES

SCHEDULE 11

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH	
	2001	2000
Incentive on Investments	49,920	170,685
Profit on sale of Investments	19,500	297,620
Interest on staff advances	154,425	349,170
Expert Advisory Services	-	5,000
Surplus on disposal of Assets	-	213
Miscellaneous	516,192	23,433
TOTAL	**740,037**	**846,121**

ESTABLISHMENT SCHEDULE 12

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH		
	2001		2000
Salaries and Allowances		**34,456,987**	**33,851,653**
Contribution to: Provident Fund	2,210,972		2,137,390
Gratuity Fund	1,500,000		1,617,205
Pension Fund	1,629,000		1,273,000
		5,339,972	**5,027,595**
Staff Welfare		2,038,581	1,993,488
		41,835,540	**40,872,736**
Less: Allocated to Scientific Research Activities		3,858,875	3,921,574
NET		**37,976,665**	**36,951,162**

COMMUNICATION SCHEDULE 13

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH		
	2001		2000
Postage and Courier	2,852,125		2,710,811
Telephone, Fax, E-mail, etc.	891,596		919,288
		3,743,721	**3,630,099**
Less: Allocated to Scientific Research Activities		292,246	304,438
NET		**3,451,475**	**3,325,661**

OTHER EXPENSES SCHEDULE 14

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH		
	2001		2000
Advertisement and Career Awareness		1,164,861	874,033
Rent and Taxes *		712,510	1,442,956
Electricity and Water		2,427,970	2,188,498
Insurance		97,118	73,957
Repairs and Maintenance			
- Buildings	291,909		407,283
- Machines/ Equipment	550,147		503,346
- Vehicles	168,339		133,610
		1,010,395	1,044,239
Legal and Professional Charges		346,387	287,010
Office Expenses		2,445,309	2,007,998
Computerisation			
- Data Processing	236,694		393,404
- Software	164,205		787,405
		400,899	1,180,809
Meetings		254,796	175,900
Packing, Cartage and Freight		201,331	234,883
Loss on Sale/ Disposal of Assets		31,274	111,456
Interest Paid		25,788	5,509
Bank Charges		51,677	71,930
Auditors Remuneration			
- Audit Fees	63,000		63,000
- Other Services	25,000		25,000
		88,000	88,000
Loss on Redemption of Investments		-	22,500
Obsolescence of Assets		-	215,058
Commission on sale of Publications		73,000	68,200
		9,331,315	10,092,936
Less: Allocated to Scientific Research Activities		921,922	795,439
NET		**8,409,393**	**9,297,497**

* includes Rs.1,66,845 (Previous Year Rs 3,90,258) towards Property Tax in respect of buildings at Lodi Road and Prasad Nagar

Schedule-15

ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS

(A) ACCOUNTING POLICIES

1. Donations and Contributions by Regional Councils/Chapters

Direct donations and contributions made by Regional Councils/ Chapters towards purchase of land/ buildings and other assets are taken to General Reserve.

2. Fees

a) Entrance Fee from Associate and Fellow Members is directly credited to "Capital Reserve" when received and no accrual thereof is created.

b) Fees received from members is accounted for on cash basis. However, fees received in advance is carried over as a liability.

c) Fees other than registration fees, received from students is accounted for on cash basis. Registration fees received is spread over a period of five years since the benefit accrues to students for a five-year period.

3. Investments

Investments are stated at lower of cost or market value. In the case of units under the US-64 Scheme the investments have been valued at lower of cost or repurchase price given by the Unit Trust of India.

4. Fixed Assets

a) Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates : -

Item	%
Building	5
Furniture and Fixtures	10
Airconditioners/ Coolers, and other equipment	15
Library Books(purchased prior to 01.04.1999)	33 33
Vehicles	20
Computers	40

b) Depreciation on additions is charged for the full year irrespective of dates of additions. No depreciation is charged in the year of sale.

c) Library books acquired on or after 01.04.1999 is charged to Revenue Account under the head "Books and Periodicals".

d) Fixed assets, except library books, costing Rs.5000 or less are fully depreciated in the year of acquisition and those whose written down value is Rs.250 or less at the beginning of the year, are fully depreciated.

e) Premium paid on leasehold land is not amortized over the period of lease.

5. Inventories

a) Stock of paper and other materials are valued at cost

b) Stock of study materials, publications, Journal/ Bulletins and audio cassettes are valued at nominal cost of Re.1 for items costing upto Rs.50 and Rs.5 for items costing above Rs.50

6. Employees retirement and other benefits

a) Contribution to Pension Fund Trust is made on the basis of actuarial valuation.

b) Contribution/ Provision to Gratuity Fund is made based on notice received from LIC/ estimated by Management

c) Provision for leave encashment is made on the basis of actuarial valuation

(B) NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS

1. The Institute has received exemption certificate dated 01.03.2001 under Section 10(23c)(iv) of the Income Tax Act, 1961 for the financial years 2000-2001 to 2002-2003. In view of the exemption available under the said section, no provision for tax has been made in the accounts.

2. Freehold land measuring 500 Sq. Yards allotted by Haryana Urban Development Authority (HUDA) at Faridabad to Faridabad Chapter of the Institute at Rs.3.65 Lacs could not be handed over by HUDA due to some dispute in the title and the authorities have promised to allot alternative plot of land which had not been effected so far. Pending allotment of alternative site, a sum of Rs 3.65 Lacs paid till date (Rs.3 Lacs is reflected in Advance for purchase of land in the Institute's books and Rs.0.65 Lacs in the books of the Chapter) continued to be included under Advances.

3. Units Under the US-64 Scheme have been valued at lower of cost or repurchase price in terms of Accounting Policy No.3. However, owing to the reported adverse conditions of the Fund after 31.03.2001, as a measure of prudence and abundant caution, additional provision amounting to Rs.16.40 Lacs has been made in the accounts.

4. Balance provision of Rs.21.09 Lacs (previous year Rs.21.09 Lacs) created for arrears of salary and allowances has been retained towards probable increase in the pension payable to the Trust

5. Following past practice, closing inventories of publications/ study materials have been, as a prudent measure, valued at nominal amount since these have no value except to students and that too only when purchased.

6. Pending formulation and recognition of a Voluntary Retirement Scheme, a sum of Rs.175 Lacs set apart upto and inclusive of the year 2000-2001, from out of the surplus for the proposed Voluntary Retirement Scheme(VRS) to provide for voluntary retirement payments, is carried under provisions.

7. Balances outstanding in advance recoverable amount, loans to Regional Councils/ Chapters, etc are subject to confirmation.

8. Previous year's figures have been regrouped / rearranged wherever necessary to compare with current year's figures.

9. The accounts of Regional Councils and Chapters have not been consolidated as per past practice

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054